website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 14 | अंक : 132 | पेज: 8 | जयपुर, बुधवार, 22 अप्रैल 2026 | मूल्य: 1.50 रुपये

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी से मिले सम्राट चौधरी, 'समृद्ध बिहार' के विजन पर मंथन

नई दिल्ली । बिहार के मुख्यमंत्री बनने के बाद सम्राट चौधरी ने मंगलवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से शिष्टाचार मुलाकात की। यह उनकी सीएम बनने के बाद पहली मुलाकात रही,

जिसमें 'समृद्ध बिहार' और 'विकसित भारत' के विजन पर चर्चा हुई। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस मुलाकात की जानकारी और तस्वीरें साझा कीं। मुलाकात के बाद सम्राट चौधरी ने कहा कि प्रधानमंत्री से मार्गदर्शन मिला, जो बिहार के विकास को नई गति देगा। इस बैठक को संभावित मंत्रिमंडल विस्तार से भी जोड़कर देखा जा रहा है, क्योंकि राज्य में अभी कैबिनेट अधूरी है। फिलहाल केवल मुख्यमंत्री और दो उपमुख्यमंत्रियों ने शपथ ली है, जबकि कुल 33 मंत्रियों का प्रावधान है। 24 अप्रैल को बिहार विधानसभा के विशेष सत्र में सरकार विश्वास मत पेश करेगी।

मणिपुर में 5.2 तीव्रता का भूकंप, पूर्वोत्तर के कई राज्यों में महसूस हुए झटके

इंफाल। मणिपुर और म्यांमार-भारत सीमा क्षेत्र में मंगलवार सुबह भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 5.2 मापी गई। भूकंप सुबह करीब 5:59 बजे आया, जिससे लोगों में हल्की दहशत फैल गई। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी

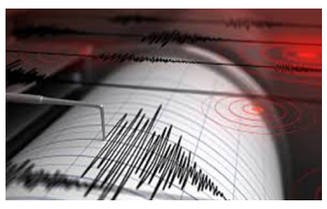

(एनसीएस) के अनुसार, भूकंप का केंद्र मणिपुर के कामजोंग क्षेत्र में स्थित था और इसकी गहराई लगभग 84 किलोमीटर थी। झटके केवल मणिपुर तक सीमित नहीं रहे, बल्कि नगालैंड, असम और मेघालय के कई हिस्सों में भी महसूस किए गए। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, इस भूकंप से किसी बड़े नुकसान या जनहानि की खबर नहीं है, लेकिन प्रशासन ने सतर्कता बढ़ा दी है और हालात पर नजर रखी जा रही है। इससे पहले 18 अप्रैल को कश्मीर घाटी में भी 5.3 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया था। उस भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत में था और उसकी गहराई करीब 190 किलोमीटर बताई गई थी। हालांकि उस दौरान भी किसी तरह के बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली थी, लेकिन झटके महसूस होने पर लोग घरों से बाहर निकल आए थे। इसके अलावा 14 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले और उत्तराखंड के पिथौरागढ़ में भी हल्के भूकंप के झटके दर्ज किए गए थे। डोडा में 2.9 और पिथौरागढ़ में 3.4 तीव्रता के झटके महसूस किए गए। वहीं, 11 अप्रैल को महाराष्ट्र के हिंगोली, नांदेड़ और परभणी जिलों में भी 4.7 तीव्रता का भूकंप आया था। विशेषज्ञों के अनुसार, भारत के कई हिस्से भूकंपीय दृष्टि से संवेदनशील जोन में आते हैं, खासकर पूर्वोत्तर और हिमालयी क्षेत्र। ऐसे में समय-समय पर हल्के और मध्यम तीव्रता के भूकंप आना सामान्य माना जाता है, लेकिन सतर्कता और तैयारियां बेहद जरूरी हैं।

तमिलनाडु चुनाव से पहले बयानबाजी तेज, खरगे के बयान पर सियासी घमासान

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026 से पहले सियासी बयानबाजी तेज हो गई है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर दिए गए एक बयान से बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। इस बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए माफी की मांग की है। चेन्नई में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान खरगे ने AIADMK और भाजपा के गठबंधन पर निशाना साधते हुए विवादित टिप्पणी की। उनके बयान के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया और भाजपा ने इसे प्रधानमंत्री का अपमान बताया। हालांकि, विवाद बढ़ने पर खरगे ने अपने बयान पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि उनके शब्दों को गलत तरीके से पेश किया गया है। उनका कहना था कि उन्होंने प्रधानमंत्री को "आतंकवादी" नहीं कहा, बल्कि यह आरोप लगाया कि केंद्र सरकार एजेंसियों के जरिए राजनीतिक दबाव बना रही है। उन्होंने ED, IT और CBI जैसी संस्थाओं के इस्तेमाल का भी जिक्र किया और कहा कि इससे विपक्षी दलों को डराने की कोशिश की जा रही

है। खरगे ने तमिलनाडु की राजनीति पर भी टिप्पणी करते हुए AIADMK पर भाजपा के सामने झुकने का आरोप लगाया। उन्होंने एम. के. स्टालिन को ऐसा नेता बताया जो भाजपा के खिलाफ मजबूती से खड़े हो सकते हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि राज्य के हितों की रक्षा के लिए मजबूत विपक्ष जरूरी है। वहीं, भाजपा ने इस बयान को लेकर कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने बयान की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि कांग्रेस लगातार प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह बयान कांग्रेस की "नफरत की राजनीति" को दर्शाता है और इसके लिए खरगे को माफी मांगनी चाहिए। इस पूरे घटनाक्रम के बाद तमिलनाडु की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है, जिससे चुनावी माहौल और अधिक गरमा गया है।

पचपदरा रिफाइनरी में आग, पीएम मोदी का उद्घाटन कार्यक्रम स्थगित

बाड़मेर । राजस्थान के बाड़मेर जिले स्थित पचपदरा रिफाइनरी में आग लगने की घटना के चलते प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 21 अप्रैल 2026 को होने वाला उद्घाटन कार्यक्रम फिलहाल स्थगित कर दिया गया है। इस संबंध में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने आधिकारिक जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार, एचआरआरएल रिफाइनरी के क्रूड डिस्टिलेशन यूनिट (सीडीयू) के पास आग लगी थी, जिस पर समय रहते काबू पा लिया गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। साथ ही, आग लगने के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उद्घाटन कार्यक्रम की नई तारीख जल्द घोषित की जाएगी। बताया जा रहा है कि यह घटना उद्घाटन कार्यक्रम से ठीक एक दिन पहले हुई, जिससे प्रशासन और अधिकारियों में हलचल मच गई। आग लगने के बाद मौके पर करीब 20 फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचीं और इमरजेंसी टीमों के साथ मिलकर रिफाइनरी के इनबिल्ट सिस्टम की मदद से आग पर काबू पाया गया। पुलिस कंट्रोल रूम के अनुसार, लगातार प्रयासों के बाद स्थिति पूरी तरह नियंत्रण में आ गई। घटना के समय

राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा उद्घाटन की तैयारियों का जायजा लेने वहां पहुंचने वाले थे। हालांकि, अधिकारियों ने इस घटना को 'मामूली' बताते हुए कहा कि स्थिति पूरी तरह नियंत्रित कर ली गई है और किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं है। गौरतलब है कि यह रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल कॉम्प्लेक्स देश की ऊर्जा सुरक्षा और औद्योगिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण परियोजना मानी जा रही है। यह हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) और राजस्थान सरकार का संयुक्त उपक्रम है, जिसमें 79,450 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया गया है। करीब 9 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष क्षमता वाली यह परियोजना देश के सबसे बड़े ग्रीनफील्ड प्रोजेक्ट्स में शामिल है और इसे अत्याधुनिक तकनीक के साथ विकसित किया गया है।

'वसुंधरा राजे प्रभावी सीएम रहीं', BJP प्रभारी राधा मोहन का बड़ा बयान

जयपुर। राजस्थान भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रदेश प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल ने पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि भाजपा ने राजस्थान को वसुंधरा राजे के रूप में एक प्रभावी मुख्यमंत्री दिया है। उनके इस बयान के बाद प्रदेश की सियासत में चर्चाएं तेज हो गई हैं। राधा मोहन दास अग्रवाल ने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर भी निशाना साधते हुए कहा कि विपक्ष लगातार विकास कार्यों में बाधा डालने का काम कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी राजनीति कर रही है। वसुंधरा राजे से जुड़े वायरल पत्र मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह गंभीर विषय

है और इसकी पूरी जांच कराई जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जो भी इस साजिश में शामिल पाया जाएगा, उसे चिन्हित कर कार्रवाई की जाएगी। प्रशासनिक अमले को इस मामले में निर्देश दे दिए गए हैं। प्रभारी ने राजस्थान के सामाजिक और राजनीतिक इतिहास में महिलाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि नारायणी देवी वर्मा, जानकी देवी बजाज, पन्ना धाय और अमृता देवी जैसी महान महिलाओं ने राज्य के निर्माण में अहम योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के बिना देश के विकास की कल्पना अधूरी है। महिला आरक्षण के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यह भाजपा के लिए केवल राजनीतिक नहीं बल्कि सैद्धांतिक विषय है। उन्होंने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लाया गया 'नारी शक्ति वंदन अधिनियम' महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में बड़ा कदम है, लेकिन कांग्रेस ने इसमें भी अड़चनें पैदा करने की कोशिश की। राधा मोहन दास अग्रवाल ने भरोसा जताया कि भाजपा सरकार महिलाओं को आरक्षण देने के अपने संकल्प को हर हाल में पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि चाहे विपक्ष कितना भी विरोध करे, पार्टी महिला आरक्षण को लागू करके ही रहेगी और महिलाओं को उनका अधिकार दिलाएगी।

सचिवालय अधिकारी संघ में महामंत्री बनने वाले जाहिद अली होंगे प्रथम मुस्लिम अधिकारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान शासन सचिवालय में 16 अप्रैल को राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ की नव-निर्वाचित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह भव्य एवं गरिमामय रूप से आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास द्वारा की गई, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग (PHED) के केबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी उपस्थित रहे। समारोह के मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नव-निर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर जाहिद अली, जो वर्तमान में सेक्शन ऑफिसर के पद पर कार्यरत हैं, को राजस्थान सचिवालय सेवा अधिकारी संघ के महामंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई। यह उल्लेखनीय है कि वे इस

पद पर आसीन होने वाले प्रथम मुस्लिम अधिकारी हैं, जिससे संघ के इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ा है। जाहिद अली इससे पूर्व राज. अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन (रकमा) के प्रदेश अध्यक्ष के रूप में भी अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। समारोह में सचिवालय के वरिष्ठ अधिकारीगण, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि एवं संघ के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सभी ने नव-निर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए संगठन के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

बंगाल में यूसीसी लागू करने का वादा, अनुराग ठाकुर का टीएमसी पर तीखा हमला

कोलकाता । केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने पश्चिम बंगाल में यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) लागू करने का बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने पर यूसीसी लागू किया जाएगा, जो नरेन्द्र मोदी की "गारंटी" है। ठाकुर ने इस मुद्दे पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के बयान का भी समर्थन किया। ठाकुर ने ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पिछले 15 वर्षों में राज्य में भ्रष्टाचार, बेरोजगारी और पलायन जैसी समस्याएं बढ़ी हैं। उनके मुताबिक, सरकार जनता को अपने कामकाज का स्पष्ट हिसाब देने में नाकाम रही है और अब भय व भ्रम का माहौल बना रही है। उन्होंने दावा किया कि आगामी 4 मई को राज्य की जनता टीएमसी सरकार से छुटकारा पा लेगी और 'सोनार बांग्ला' का सपना साकार होगा। ठाकुर ने कहा कि भाजपा राज्य में सुशासन और पारदर्शिता लाने के लिए प्रतिबद्ध है। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में उद्योगों का तेजी से पतन हुआ है।

उनके अनुसार, हजारों फैक्ट्रियां बंद हो चुकी हैं और लाखों लोगों की नौकरियां चली गई हैं। इसके चलते बड़ी संख्या में युवा रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों की ओर पलायन करने को मजबूर हैं। ठाकुर ने टीएमसी शासन को "आतंक, हत्या और कट मनी" से जोड़ते हुए कहा कि राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भाजपा सरकार बनने पर इन समस्याओं पर सख्ती से नियंत्रण किया जाएगा और निवेश के लिए बेहतर माहौल तैयार होगा। वहीं, राज्यसभा सांसद हर्षवर्धन श्रृंगला ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध होने के बावजूद राज्य में मत्स्य पालन क्षेत्र का अपेक्षित विकास नहीं हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की अनदेखी के कारण अन्य राज्यों से मछली मंगानी पड़ रही है। श्रृंगला ने भरोसा जताया कि भाजपा सरकार बनने पर इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर निवेश किया जाएगा, जिससे स्थानीय उत्पादन बढ़ेगा और किसानों को लाभ मिलेगा।

राउरकेला में राष्ट्रपति मुर्मु ने विकास परियोजनाओं का उद्घाटन

नई दिल्ली । द्रौपदी मुर्मु ने 21 अप्रैल 2026 को राउरकेला में तारामंडल एवं विज्ञान केंद्र, निर्मल मुंडा परिवेश पथ, जनजातीय संग्रहालय और एकीकृत कमान एवं नियंत्रण केंद्र का उद्घाटन किया। उन्होंने सुंदरगढ़ की प्राकृतिक सुंदरता, संस्कृति और खेल क्षमता की सराहना की। राष्ट्रपति ने कहा कि राउरकेला की बहुसांस्कृतिक पहचान राज्य के विकास में अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने आदिवासी विकास को प्राथमिकता बताते हुए जनभागीदारी पर जोर दिया। मुर्मु ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत और 2036 तक विकसित ओडिशा के लक्ष्य को पाने के लिए सभी का सहयोग जरूरी है।

चांदीपुर रैली में अमित शाह का तीखा हमला, 'ममता के गुंडों को पाताल से भी ढूंढकर जेल भेजेंगे'

चांदीपुर । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को चांदीपुर में आयोजित जनसभा में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर जोरदार हमला बोला। उन्होंने कहा कि यह पहले चरण के चुनाव प्रचार की आखिरी सभा है और अब राज्य में बदलाव का समय आ गया है। अपने संबोधन में शाह ने "दीदी, टाटा, बाय-बाय" का नारा देते हुए कहा कि ममता सरकार का समय खत्म हो चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य की जनता पिछले कई वर्षों से परेशान है और अब बदलाव चाहती है। शाह ने दावा किया कि आगामी चुनाव में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। गृह मंत्री ने घुसपैठ के मुद्दे पर भी सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि 4 तारीख को मतगणना होगी और 5 तारीख को भाजपा सरकार बनेगी। उन्होंने चेतावनी दी कि अवैध घुसपैठिए देश छोड़ने की तैयारी कर लें। शाह ने कहा कि नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में

देश में 'भय से भरोसे' की यात्रा आगे बढ़ेगी। शाह ने स्थानीय किसानों को साधते हुए चांदीपुर और आसपास के क्षेत्रों में पान की खेती के लिए एक बड़े पान अनुसंधान केंद्र की स्थापना का वादा किया। उन्होंने कहा कि इससे किसानों की आय बढ़ेगी और क्षेत्र का विकास होगा। कानून-व्यवस्था के मुद्दे पर बोलते हुए शाह ने चेतावनी दी कि "ममता के गुंडे 23 तारीख को घर से बाहर न निकलें।" उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद अपराधियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें "पाताल से भी ढूंढकर जेल भेजा जाएगा।" नक्सलवाद और घुसपैठ के मुद्दे पर शाह ने कहा कि भाजपा ने देश को नक्सलवाद से काफी हद तक मुक्त किया है और आगे भी घुसपैठ के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि बंगाल की खाड़ी से लेकर हिंद महासागर तक घुसपैठियों के लिए कोई जगह नहीं बचेगी। इसके अलावा, उन्होंने अनुच्छेद 370 हटाने का जिक्र करते हुए विपक्षी दलों पर निशाना साधा और कहा कि 2019 में मोदी सरकार ने इसे समाप्त कर देश को एक मजबूत संदेश दिया। उरी और पुलवामा हमलों का जिक्र करते हुए शाह ने कहा कि भारत ने सर्जिकल स्ट्राइक और हवाई हमलों के जरिए आतंकवाद के खिलाफ कड़ा जवाब दिया।

महिला आरक्षण पर सियासी टकराव, लखनऊ में 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा'

लखनऊ। महिला आरक्षण संशोधन विधेयक को लेकर सियासत गरमा गई है। इसी के विरोध में भाजपा की ओर से मंगलवार को लखनऊ में 'जन आक्रोश महिला पदयात्रा' निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं और पार्टी कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। करीब 1.75 किलोमीटर लंबी इस पदयात्रा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपने आवास से मंत्रिमंडल सहयोगियों के साथ विधानसभा तक पैदल पहुंचे। विधानसभा के बाहर आयोजित सभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के "जन-विरोधी रवैये" के कारण महिलाओं में आक्रोश है। योगी ने आरोप लगाया कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार महिलाओं को उनका अधिकार देना चाहती है, लेकिन विपक्ष "संकुचित मानसिकता" के चलते इसमें बाधा डाल रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सपा, कांग्रेस और टीएमसी के खिलाफ महिलाओं में नाराजगी साफ दिख रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश की चार प्रमुख "जातियों" में

महिलाओं को सबसे पहले स्थान दिया है और महिला आरक्षण को जल्द लागू करने की इच्छा जताई थी। इसके बावजूद विपक्ष ने इस दिशा में सहयोग नहीं किया। योगी आदित्यनाथ ने पदयात्रा में शामिल महिलाओं को बधाई देते हुए भरोसा दिलाया कि राज्य का हर व्यक्ति "आधी आबादी" के अधिकारों के समर्थन में खड़ा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण के लिए सरकार लगातार काम कर रही है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि जो पार्टियां महिलाओं का समर्थन नहीं करेंगी, वे चुनावों में सफल नहीं होंगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक महिला आरक्षण लागू नहीं होता, यह आंदोलन जारी रहेगा। वहीं, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि विपक्ष के विरोध के कारण ही महिलाएं सड़कों पर उतरने को मजबूर हुई हैं और यह उनकी ताकत का प्रदर्शन है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि महिलाओं का उत्थान और सम्मान भाजपा की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकारें महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए लगातार काम कर रही हैं।

पश्चिम एशिया पर भारत सतर्क, खाड़ी देशों से बढ़ा संवाद

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बदलते हालात को लेकर भारत ने सतर्क रुख अपनाया है। विदेश मंत्रालय ने बताया कि नरेन्द्र मोदी के निर्देश पर क्षेत्र की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है और खाड़ी देशों के साथ संवाद मजबूत किया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत ईरान के अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में है। वहां मौजूद भारतीय नागरिकों और जहाजों की सुरक्षा व संभावित निकासी को लेकर बातचीत जारी है। उन्होंने कहा कि हाल के दिनों में कई उच्च-स्तरीय दौरे हुए हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने सऊदी अरब का दौरा किया, जबकि विदेश मंत्री ने यूएई और पेट्रोलियम मंत्री ने कतर की यात्रा की। इन दौरों का मकसद ऊर्जा सुरक्षा, प्रवासी भारतीयों के हित और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करना है। होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले भारतीय जहाजों की

सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। हाल ही में यहां गोलीबारी की घटना पर भारत ने चिंता जताते हुए ईरान के साथ कूटनीतिक स्तर पर बात की है। विदेश मंत्रालय ने साफ किया कि पश्चिम एशिया में रह रहे भारतीयों की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

युद्ध विराम के बाद ट्रम्प और नेतन्याहू के लिए कुर्सी बचाना मुश्किल

अमेरिका इजराईल और ईरान के बीच 40 दिन तक ऐतिहासिक युद्ध हुआ। इस युद्ध में अमेरिका ने अपना विश्व शक्तिमान का ओहदा खो दिया। जिस अमेरिका का आदेश विश्व का कोई भी देश नहीं मानने की हिम्मत नहीं रखता था, आज कमजोर और छोटे देश उसको इस युद्ध के बाद आंख दिखाने लगे हैं। इजराईल का बुरा हाल अमेरिका से भी ज्यादा है। इजराईल ने पूर्व पश्चिम एशिया में एक ऐसी छवि बनाली थी जिसके कारण मुस्लिम देश इजराईल से खौंप खाते थे। इजराईल ने फिलिस्तीन में लाखों बच्चों, महिलाओं और मर्दों को मौत के मुंह उतार दिया। इससे पहले भी मुस्लिम देशों में समय-समय पर इजराईल हमले करके भय बनाए रखा। इस युद्ध के बाद इजराईल अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है। जो इजराईल अपने पड़ोसी देशों की सीमाओं को क्ब्जायें जाने के लिए विख्यात था आज वही इजराईल अपनी स्वयं की सीमाओं को बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है। इजराईल और अमेरिका के राष्ट्रध्यक्षों ने मिलकर ईरान पर भयंकर हमले किए और ईरान को पूरी तरह बर्बाद करने वहां रिजीम चेंज करने की बडी कोशिश की। लेकिन अमेरिका इजराईल यह सब करने में फेल हो गया। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप एपिस्टीन फाईल के विवादों के कारण अमेरिका में जनता का बड़ा विरोध झेल रहे हैं। माना जा रहा है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एपिस्टीन फाइलों के कारण हो रहे विरोध को दबाने के लिए ईरान पर आक्रमण को तैयार हुए थे। इजराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने डोनाल्ड ट्रंप की मजबूरी का पूरा फायदा उठाया और ट्रंप को ब्लैकमेल किया। लेकिन बिना किसी कारण के ईरान पर आक्रमण करना अमेरिका और इजराईल दोनों को भारी पड़ गया। अमेरिका इजराईल को ईरान ने इस युद्ध में कभी नहीं भूलने वाली पिटाई की। यही कारण है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप का विरोध दिनों दिन बढ़ता जा रहा है। माना जा रहा है कि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की कुर्सी तब तक ही बची हुई है जब तक ईरान से युद्ध चल रहा है। जैसे ही युद्ध समाप्त होगा, अमेरिकी जनता डोनाल्ड ट्रंप से कुर्सी छीन लेगी । इसी तरह इजराईल के प्रधानमंत्री पर भी इजराईल की अदालतों में मुकदमें चल रहे हैं । प्रधानमंत्री बेंजामिन की कुर्सी युद्ध के कारण बची हुई है। जैसे ही युद्ध बंद होगा प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपने ही देश में सलाखों के पीछे होंगे। यह युद्ध देशों के बीच जरूर है, लेकिन यह युद्ध अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की और इजराईल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की करतूतों को छुपाने के लिए किया गया है। इन दोनों राष्ट्र अध्यक्षों ने अपनी सनक और नफरत और बुरी आदतों के चलते अपने-अपने देशों को बर्बाद कर दिया। दूसरी तरफ ईरान को इस युद्ध से बड़ा फायदा होने वाला है। ईरान पर 40 वर्षों से चले आ रहे आर्थिक प्रतिबंध एक तरह से समाप्त हो गए हैं। क्योंकि अमेरिका अब अपनी मनमानी करने की स्थिति में नहीं है। जबकि ईरान के लिए व्यापार के सभी रास्ते खुलते नजर आ रहे हैं।

गंभीर चुनौती

कृत्रिम बुद्धिमत्ता: सुविधा का वरदान या मूल्यों का संकट

ललित गर्ग

मानव सभ्यता के विकास का इतिहास यदि देखा जाए तो यह स्पष्ट होता है कि हर नई तकनीक अपने साथ संभावनाओं और संकटों का एक द्वंद्व लेकर आती है। आज का समय भी इसी द्वंद्व से गुजर रहा है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के रूप में विकसित हो रही नवीन तकनीक ने जीवन को सरल, तीव्र और सुविधाजनक बनाया है, किंतु इसके साथ ही यह मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक संतुलन के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनकर उभर रही है। समाज के चिंतकों, दार्शनिकों और आध्यात्मिक नेतृत्व ने समय-समय पर इस विषय पर चिंता व्यक्त की है और हाल ही में पोप लियो 14 द्वारा व्यक्त आशंकाओं ने इस चिंता को वैश्विक विमर्श का केंद्र बना दिया है। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि इस तकनीक का उपयोग नैतिक मर्यादाओं से परे जाकर किया गया, तो यह विश्व में विभाजन, भय, हिंसा और संघर्ष को बढ़ावा दे सकती है। यह चेतावनी केवल एक धार्मिक नेता की भावनात्मक प्रतिक्रिया नहीं है, बल्कि यह उस गहरी चिंता का संकेत है जो आज पूरी मानवता के भीतर कहीं न कहीं विद्यमान है। तकनीक अपने आप में न तो नैतिक होती है और न ही अनैतिक, किंतु उसका उपयोग उसे किसी भी दिशा में ले जा सकता है।

वर्तमान समय में यह देखा जा रहा है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग केवल रचनात्मक और सकारात्मक कार्यों तक सीमित नहीं रह गया है। इसके माध्यम से झूठी सूचनाओं का निर्माण, नकली चित्रों और ध्वनियों का सृजन तथा जनमत को प्रभावित करने के प्रयास तेजी से बढ़े हैं। चुनावी प्रक्रियाओं में इसका उपयोग लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर कर सकता है। जब कोई मतदाता यह समझ ही नहीं पाता कि जो वह देख रहा है या सुन रहा है वह सत्य है या निर्मित भ्रम, तब उसकी निर्णय क्षमता प्रभावित होती है। यह स्थिति लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति विश्वास को कमजोर करती है। आज सोशल माध्यमों पर ऐसी अनेक घटनाएँ सामने आती हैं, जहाँ किसी व्यक्ति को नरेंद्र मोदी जैसे बड़े नेताओं के साथ दिखाया जाता है, जबकि वास्तविकता में ऐसा कभी हुआ ही नहीं होता। यह केवल व्यक्तिगत भ्रम नहीं, बल्कि सामाजिक स्तर पर विश्वास की संरचना को कमजोर करने वाला प्रवाह है। जब झूठ और सत्य के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समाज में संशय, अविश्वास और अस्थिरता का वातावरण बनता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं। कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की बढ़ती मांग पर्यावरणीय असंतुलन और मानवीय शोषण दोनों को जन्म देती है। इस प्रकार यह तकनीक केवल सामाजिक या नैतिक ही नहीं, बल्कि पर्यावरणीय चुनौती भी बन रही है। इन सभी चिंताओं के बीच यह समझना आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता को नकारा नहीं जा सकता। यह आधुनिक जीवन का अभिन्न अंग बन चुकी है और चिकित्सा, शिक्षा, आपदा प्रबंधन तथा उत्पादन के क्षेत्र में इसके योगदान को अनदेखा नहीं किया जा सकता। समस्या तकनीक में नहीं, बल्कि उसके उपयोग के स्वरूप में है। यदि इसे मानवीय मूल्यों, नैतिकता और सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ जोड़ा जाए, तो यह एक वरदान सिद्ध हो सकती है। इसके लिए सबसे पहले आवश्यक है कि इसके विकास और उपयोग के लिए स्पष्ट और सशक्त नियम

कृत्रिम बुद्धिमत्ता का एक और चिंताजनक पक्ष है साइबर अपराधों में इसका बढ़ता उपयोग। आज अपराधी किसी व्यक्ति की आवाज की नकल करके उसके परिचितों को धोखा देने में सक्षम हो गए हैं। परिवार के सदस्य या अधिकारी बनकर धन की ठगी करना अब अत्यंत सरल हो गया है। इस प्रकार की घटनाओं ने अनेक लोगों की जीवन भर की कमाई को पल भर में समाप्त कर दिया है। यह केवल आर्थिक क्षति नहीं, बल्कि विश्वास और सुरक्षा की भावना पर गहरा आघात है। वित्तीय क्षेत्र में भी इस तकनीक का दुरुपयोग गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता है। स्वचालित हमलों के माध्यम से बैंकिंग व्यवस्था की कमजोरियों का लाभ उठाया जा सकता है। यदि इस प्रकार के हमले व्यापक स्तर पर होते हैं, तो यह केवल व्यक्तिगत हानि तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि राष्ट्रीय और वैश्विक अर्थव्यवस्था को भी अस्थिर कर सकते हैं। यह स्थिति उस समय और भी गंभीर हो जाती है जब नियामक संस्थाएँ इन जटिल तकनीकों की गति और स्वरूप को समझने में पीछे रह जाती हैं। पर्यावरणीय दृष्टि से भी यह तकनीक पूरी तरह निर्दोष नहीं है। विशाल आंकड़ा केंद्रों की स्थापना, ऊर्जा की अत्यधिक खपत, तथा खनिज संसाधनों का दोहन-ये सभी प्रकृति पर अतिरिक्त दबाव डालते हैं...

बनाए जाएं। सरकारों और संस्थाओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि इस तकनीक का उपयोग पारदर्शी, सुरक्षित और उत्तरदायी तरीके से हो। कंपनियों को अपने तंत्र में ऐसी व्यवस्थाएँ विकसित करनी चाहिए, जिससे किसी भी प्रकार की भ्रामक सामग्री की पहचान और नियंत्रण संभव हो सके। साथ ही नागरिकों की जागरूकता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। डिजिटल साक्षरता के बिना कोई भी समाज इस चुनौती का सामना नहीं कर सकता। लोगों को यह समझना होगा कि जो कुछ वे देख या सुन रहे हैं, वह हमेशा सत्य नहीं हो सकता। सत्यापन की प्रवृत्ति को विकसित करना समय की आवश्यकता है। नैतिकता के स्तर पर यह भी आवश्यक है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के प्रशिक्षण के लिए उपयोग किए जाने वाले आंकड़े निष्पक्ष और उच्च गुणवत्ता वाले हों। यदि आधार ही पक्षपाती होगा, तो परिणाम भी पक्षपाती होंगे। इससे सामाजिक असमानता और भेदभाव को बढ़ावा मिल सकता है। इसलिए निष्पक्षता, पारदर्शिता, गोपनीयता और उत्तरदायित्व जैसे सिद्धांतों को इसके विकास का आधार बनाना होगा। सांस्कृतिक दृष्टि से भी यह ध्यान रखना आवश्यक है कि तकनीकी विकास हमारी परंपराओं और मूल्यों के साथ संतुलन बनाए रखे। हमारी सांस्कृतिक धरोहर का डिजिटलीकरण और संरक्षण इस दिशा में एक सकारात्मक कदम हो सकता है, किंतु यह भी सुनिश्चित करना होगा कि इसका उपयोग सम्मानपूर्वक और संवेदनशीलता के साथ किया जाए। साररूप में यह कहा जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता एक शक्तिशाली साधन है, जो मानव जीवन को नई दिशा दे सकता है। किंतु यदि इसे नैतिकता से अलग कर दिया जाए, तो यह उसी गति से विनाश का कारण भी बन सकता है।

कूटनीति

महेन्द्र तिवारी

होर्मुज में भारतीय जहाजों पर फायरिंग के मायने?

होर्मुज जलडमरूमध्य की भौगोलिक स्थिति इसे वैश्विक राजनीति के केंद्र में खड़ा करती है और 18 अप्रैल की घटना ने इस तथ्य को एक बार फिर निर्विवाद रूप से प्रमाणित कर दिया है। उस दिन की सुबह जब भारत के ध्वज वाले दो व्यापारिक पोतों पर ईरानी गनबोट्स द्वारा गोलाबारी की गई, तो यह केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं थी, बल्कि एक विशाल अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक संकट का संकेत था। इस घटना के पीछे के सत्य को समझने के लिए हमें उस समय की जटिल भू-राजनीतिक परिस्थितियों और समुद्री व्यापार के महत्त्व को गहराई से देखना होगा। होर्मुज जलडमरूमध्य एक ऐसा संकरा समुद्री मार्ग है जहां से विश्व की लगभग 20 प्रतिशत तेल और प्राकृतिक ईंधन की आपूर्ति होती है। भारत जैसे विकासशील राष्ट्र के लिए, जो अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए 90 प्रतिशत तक आयात पर निर्भर है, इस मार्ग की सुरक्षा सीधे तौर पर राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी हुई है। 18 अप्रैल को जब भारतीय तेलवाहक पोत लगभग 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर इस मार्ग से गुजर रहे थे, तब अचानक हुई फायरिंग ने वैश्विक बाजारों में हलचल मचा दी। यद्यपि इस हमले में किसी भी नाविक की जान नहीं गई और न ही पोत को कोई स्थायी क्षति पहुंची, परंतु इसके रणनीतिक परिणाम अत्यंत गंभीर थे। जहाजों के चालक दल ने जैसे ही आपातकालीन संकेत भेजे, स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पोतों का मार्ग बदलना पड़ा और उन्हें सुरक्षित जलक्षेत्र की ओर वापस लौटना पड़ा। इस घटना का समय अत्यंत संवेदनशील था क्योंकि अप्रैल 2026 में ही अमेरिका ने ईरान के विरुद्ध कड़ा समुद्री प्रतिबंध और नाकाबंदी लागू की थी। इस वैश्विक दबाव के प्रत्युत्तर में ईरान ने घोषणा की थी कि यदि उसके आर्थिक हितों को अवरुद्ध किया गया, तो वह इस महत्वपूर्ण जलमार्ग को किसी के लिए भी सुरक्षित नहीं रहने देगा। इसी पृष्ठभूमि में भारतीय पोतों को लक्ष्य बनाना एक प्रकार का रणनीतिक संदेश था जो न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के लिए एक चेतावनी के समान था। इस घटना की जड़ें मार्च 2026 से चली आ रही अस्थिरता में भी निहित हैं। उस महीने के दौरान भी कई अंतरराष्ट्रीय जहाजों पर मानवरहित विमानों और प्रक्षेपास्त्रों से हमले हुए थे, जिसमें दुर्भाग्यवश कुछ भारतीय नाविकों को अपने प्राण गंवाने पड़े थे। उन घटनाओं के बाद से ही समुद्री बीमा कंपनियों ने इस क्षेत्र को उच्च जोखिम वाला क्षेत्र घोषित कर दिया था, जिससे माल ढुलाई की लागत में भारी वृद्धि हुई थी। 18 अप्रैल की फायरिंग ने इस असुरक्षा को और अधिक गहरा कर दिया। भारतीय विदेश मंत्रालय ने इस पर अत्यंत तीव्र और स्पष्ट प्रतिक्रिया दी। नई दिल्ली में ईरान के राजदूत को तुरंत तलब किया गया और उन्हें भारत की गहरी चिंता से अवगत कराया गया। भारत के विदेश सचिव ने अपने आधिकारिक वक्तव्य में बिना किसी संकोच के यह स्पष्ट किया कि भारतीय नाविकों और व्यापारिक हितों की सुरक्षा पर कोई भी समझौता संभव नहीं है। भारत का यह कड़ा रुख इस बात का प्रमाण था कि अब वह वैश्विक स्तर पर अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सैन्य और कूटनीतिक दोनों मोर्चों पर सक्रिय है। इस संकट के दौरान भारतीय नौसेना ने अपनी तत्परता का प्रदर्शन करते हुए ऑपरेशन ऊर्जा सुरक्षा को और अधिक विस्तारित किया। कुछ गोपनीय विवरणों से यह भी संकेत मिले कि ईरान के भीतर प्रशासनिक और सैन्य नेतृत्व के मध्य इस विषय पर मतभेद थे कि इस जलमार्ग का उपयोग किस सीमा तक एक हथियार के रूप में किया जाना चाहिए। एक पक्ष जहां इसे कूटनीतिक सौदेबाजी का साधन मानता था, वहीं दूसरा पक्ष इसे पूर्णतः अवरुद्ध करने के पक्ष में था। इन आंतरिक विरोधाभासों ने स्थिति को और अधिक अनिश्चित बना दिया था। इस अनिश्चितता का प्रभाव वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी पड़ा। अप्रैल 2026 के उन दिनों में कच्चे तेल की कीमतों में अभूतपूर्व उछाल देखा गया, जिससे विश्व भर के शेयर बाजारों में अस्थिरता व्याप्त हो गई। भारत के लिए यह स्थिति दोहरी चुनौती थीः एक ओर ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और दूसरी ओर ईरान के साथ अपने पारंपरिक मित्रवत संबंधों को बचाए रखना। भारत ने अपनी कूटनीति का परिचय देते हुए संतुलन बनाए रखा। इसके परिणामस्वरूप ईरान ने भी बाद में नरम रुख अपनाते हुए भारत के साथ संबंधों की महत्ता को स्वीकार किया और वार्ता के माध्यम से समाधान निकालने पर सहमति व्यक्त की। यह संपूर्ण घटनाक्रम इस सत्य को उजागर करता है कि भविष्य में समुद्री मार्ग ही शक्ति प्रदर्शन के मुख्य केंद्र होंगे। अब युद्ध केवल भूमि तक सीमित नहीं रह गए हैं, बल्कि आर्थिक नाकाबंदी और व्यापारिक मार्गों पर नियंत्रण आधुनिक युद्धनीति के प्रमुख अंग बन चुके हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

हमारी बहुत सी परेशानियों का कारण मोह

संकलित

दर्शन

श्रीरामचरितमानस और अन्य ग्रंथों का जीवन में महत्व समझें। आप कह सकते हैं कि भागदौड़ भरे जीवन में ग्रंथ पढ़ने का समय कहां से निकाले? मैं कहता हूं कि आज के इस दौर में तो इंटरनेट के जरिए भी बहुत से ग्रंथ पढ़ कर अपनी समस्याओं का समाधान प्राप्त किया जा सकता है। ये ग्रंथ हमारे गुरु हैं। कलिकाल में समस्याओं के समाधान का एक बड़ा साधन और उपाय हरि नाम है। स्वयं भगवान शिव राम नाम जपते हैं। राम परम तत्व हैं। हमारी बहुत सी परेशानियों का कारण हमारा मोह है। मोह रूपी रावण को राम ने मारा था। हमारे भीतर महामोह का महिषासुर बैठा है। महिषासुर का वध राम ने नहीं, मां काली ने किया था। इसे मारने के लिए हम राम कथा का सहारा लें। राम कथा एक ओर जहां काली के रूप में कराल है, तो वहीं चंद्रमा की किरणों की तरह उसमें कोमलता-शीतलता भी है। प्रसन्न रहना है तो प्रत्येक व्यक्ति पर, प्रत्येक बात और प्रत्येक परिस्थिति पर संदेह करने की आदत छोड़नी होगी। एक समय सती ने शिव की बातों का विश्वास नहीं किया और भगवान की परीक्षा लेने लगीं। इस कारण अंत में उन्हें शिव वियोग का सामना करना पड़ा। शंकर विश्वास हैं। भक्ति में संशय का कोई स्थान नहीं। विश्वास जीवन है, संशय हमें नाश तक ले जाता है। एक बात और, किसी भी विपरीत परिस्थिति या किसी भी कठिनाई को विपत्ति मत समझें। श्रीरामचरितमानस की प्रसिद्ध पंक्ति है- कह हनुमंत बिपति प्रभु सोई। जब तव सुमिरन भजन न होई।।

क्या भगवान का अस्तित्व है?

संकलित

प्रेरणा

एक बार एक व्यक्ति नाई की दुकान पर अपने बाल कटवाने गया। तभी नाई ने कहा- मैं भगवान के अस्तित्व को नहीं मानता और इसीलिए तुम मुझे नास्तिक भी कह सकते हो। तुम ऐसा क्यों कह रहे हो व्यक्ति ने पूछा। नाई ने कहा- बाहर जब तुम सड़क पर जाओगे तो तुम समझ जाओगे कि भगवान का अस्तित्व नहीं है। अगर भगवान होते, तो क्या इतने सारे लोग भूखे मरते? क्या इतने सारे लोग बीमार होते? व्यक्ति ने थोड़ा सोचा लेकिन वह वाद-विवाद नहीं करना चाहता था। नाई ने अपना काम खत्म किया और वह व्यक्ति नाई को पैसे देकर दुकान से बाहर आ गया। वह जैसे ही नाई की दुकान से निकला, उसने सड़क पर एक लंबे-घने बालों वाले एक व्यक्ति को देखा जिसकी दाढ़ी भी बढ़ी हुई थी और ऐसा लगता था शायद उसने कई महीनों तक अपने बाल नहीं कटवाए थे। वह व्यक्ति वापस मुड़कर नाई की दुकान में दुबारा घुसा और उसने नाई से कहा- क्या तुम्हें पता है? नाइयों का अस्तित्व नहीं होता। नाई ने कहा- तुम कैसी बेकार बातें कर रहे हो? क्या तुम्हे मैं दिखाई नहीं दे रहा? मैं यहां हूं और मैं एक नाई हूं। और मैंने अभी अभी तुम्हारे बाल काटे है। व्यक्ति ने कहा- नहीं! नाई नहीं होते हैं। अगर होते तो क्या बाहर उस व्यक्ति के जैसे कोई भी लंबे बाल व बढ़ी हुई दाढ़ी वाला होता? नाई ने कहा- अगर वह व्यक्ति किसी नाई के पास बाल कटवाने जाएगा ही नहीं तो नाई कैसे उसके बाल काटेगा?

अंतर्मन

आज की पाती

गलत खानपान से बढ़ता मोटापा

हमारे देश के लोगों में मोटापा बढ़ता जा रहा है। इससे जानलेवा बीमारियों के बढ़ने का खतरा ज्यादा होता है। आज हमने अपनी जीवनशैली और खानपान की आदतों को बिगाड़ कर अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ करना शुरू कर दिया है। मोटापा भी कुदरत के विरुद्ध खानपान और जीवनशैली अपनाने से बढ़ता है। लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और हमारे देश की सरकारें, स्वास्थ्य विभाग और प्रशासन बहुत से अभियान चलाते हैं। योग गुरु भी इसके लिए काम करते हैं, लेकिन हम उनकी बातों की तरफ ध्यान नहीं देते हैं और फिर गलत खानपान और जीवनशैली अपना कर अपना स्वास्थ्य खराब कर लेते हैं। कुछ लोगों ने अपने खानपान और जीवनशैली की आदत को बिगाड़ कर अपने स्वास्थ्य को खराब करने का काम किया है। *- पवन सिन्हा, बेमेतरा*

ट्रेंड

कृषि समृद्धि की आधारशिला

कृषि हमारी समृद्धि की आधारशिला है और हमारे किसान भाई-बहन देश के अन्नदाता। इनका परिश्रम और समर्पण ही राष्ट्र की प्रगति को सुनिश्चित करता है।
कृषिर्धन्या कृषिर्मेध्या जन्तूनां जीवन कृषिः।
अन्नदः सर्वदश्चैव तस्माच्छ्रेष्ठतरो हि सः॥
-नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

ऑल-पार्टी मीटिंग बुलाएं

अगर सरकार महिला आरक्षण लागू करना चाहती तो वह ऑल-पार्टी मीटिंग बुलाए और सबसे पूछे कि इसे कैसे लागू करें? लेकिन मोदी सरकार ने पार्लियामेंट का सेशन बुलाया ताकि दिखा सके कि उसे महिला आरक्षण की परवाह है। सच तो यह है कि मोदी के खाने व दिखाने के अलग-अलग दांत हैं।
-मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

बंगाल विकास की राह पर चले

पिछले 15 वर्षों में बंगाल ने केवल 'खेल' देखा है, लेकिन अब समय आ गया है कि राज्य विकास की राह पर चले। राज्य की बदहाल कानून व्यवस्था और बढ़ते भ्रष्टाचार ने आमजन को परेशान किया है। बंगाल की जनता अब बदलाव के लिए मन बना चुकी है और ममता को बदलकर ही रहेगी।
-योगी आदित्यनाथ, सीएम, यूपी

रबींद्रनाथ टैगोर की जमीन

अरे ये पश्चिम बंगाल रबींद्रनाथ टैगोर की जमीन है। बाबर की जमीन नहीं है। लेकिन ममता दीदी के कारण कोई भी आकर बोल सकता है कि बाबर की मस्जिद बनाऊंगा। असम में ये बोलकर देखो। तुरंत थाने जाना पड़ेगा। **-हिमंता बिस्वा सरमा,** सीएम, असम

करंट अफेयर

संयुक्त राष्ट्र महासचिव के लिए चार उम्मीदवारों में मुकाबला

संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने के लिए चार उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है और वे अपनी दावेदारी पेश करने के लिए इस सप्ताह संगठन के 193 सदस्यों के राजदूतों के प्रश्नों के उत्तर देंगे। यह संख्या 10 वर्ष पहले जब एंतोनियो गुतारेस का संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के रूप में चयन हुआ था, तब की तुलना में काफी कम है। चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बेचेलेट मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के राजदूतों के समक्ष तीन घंटे के प्रश्नोत्तर सत्र में सबसे पहले शामिल होंगी। इस पद के उम्मीदवारों में बेचेलेट समेत दो महिलाएं और लातिन अमेरिका के तीन उम्मीदवार शामिल हैं। बेचेलेट के बाद अर्जेंटीना के संयुक्त राष्ट्र परमाणु प्रमुख राफेल मारियानो ग्रोसी का नंबर आएगा। संयुक्त राष्ट्र व्यापार प्रमुख रेबेका ग्रिंसपैन बुधवार को महासभा कक्ष में प्रश्नों का उत्तर देंगी और अंत में सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल पेश होंगे। इस पद के लिए 2016 में 13 उम्मीदवारों ने दावेदारी पेश की थी और मुकाबला काफी कड़ा था। ऐसे में सवाल है कि उम्मीदवारों की संख्या कम होने का क्या कारण है। इसका एक कारण यह है कि 2026 की दुनिया गहरे ध्रुवीकरण और संघर्षों से घिरी हुई है और मौजूदा परिस्थितियां 2016 के अपेक्षाकृत अधिक शांत वैश्विक माहौल से काफी अलग हैं।

ऑफ बीट

साइकिल चलाना पैदल चलने से चार गुना ज्यादा प्रभावी

साइकिलिंग के माध्यम से लोग चलने या दौड़ने की तुलना में कम ऊर्जा खपत पर तेज और दूर तक सुविधाजनक तरीके से सफर करने में सक्षम होते हैं। लेकिन आखिर पैदल चलने की तुलना में साइकिलिंग इतनी आसान क्यों लगती है? इसका जवाब छिपा है उस सुव्यवस्थित जैव-यांत्रिकी में जो साइकिल का हमारे शरीर के साथ तालमेल बनाती है। लेकिन यह सरलता एक ऐसी इंजीनियरिंग को छिपाए हुए है, जो मानव शरीर की संरचना और क्रिया प्रणाली से बिल्कुल मेल खाती है। जब हम चलते या दौड़ते हैं तो असल में हमारा झुकाव एक नियंत्रित तरीके से आगे की ओर रहता है और हर कदम पर खुद को संभालते हैं। हमारे पैरों को हर कदम पर एक बड़े दायरे में आगे बढ़ाना पड़ता है, हर कदम पर पैरों को गुरुत्वाकर्षण के विरुद्ध ऊपर उठाना पड़ता है। सिर्फ इस क्रिया में ही शरीर की बहुत सारी ऊर्जा खर्च होती है। साइकिल पर, आपके पैर बहुत छोटी गोलाकार गति में घूमते हैं। हर क्रिया पर अपने पूरे पैर का वजन उठाने के बजाय, आप बस अपनी जांघों और पिंडलियों को एक संकुचित पैडल वाली साइकिल पर घुमाते हैं। इस वजह से शारीरिक ऊर्जा की बचत तुरंत महसूस होती है। लेकिन असली दक्षता यह है कि मानव ताकत ऐसी ऊर्जा में बदल जाती है जो साइकिल को आगे बढ़ाती है।

रॉयल पत्रिका

किसान सम्मान की नई उड़ान: 5 किस्तों में ₹2726 करोड़, अब छठी किस्त में ₹665 करोड़ का लाभ

-भजनलाल सरकार की पहल से किसानों का जीवन हुआ आसान और सम्मानजनक

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों के जीवन को सरल और सम्मानजनक बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में 'मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना लागू की गई है। इससे किसानों को आर्थिक संबल मिलने से उनका जीवन सुगम हुआ है। योजना के अंतर्गत अब तक पांच किस्तों के माध्यम से किसानों को 2726 करोड़ की राशि हस्तांतरित की जा चुकी है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा योजना की छठी किस्त बुधवार को जोधपुर के ओसियां में होने वाले राज्यस्तरीय समारोह में जारी करेंगे। राज्य के 66.56 लाख किसानों को 665 करोड़ रुपये से अधिक की राशि हस्तांतरित की जाएगी। राज्य सरकार ने किसानों की समृद्धि और खुशहाली के लिए योजना लागू की। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 30 जून, 2024 को टोंक में योजना का शुभारम्भ किया था। यहां प्रथम किस्त के रूप में 65 लाख से अधिक किसानों को लगभग 653 करोड़ रुपये की राशि उनके बैंक खातों में हस्तांतरित की गई। प्रथम किस्त के रूप में किसानों के बैंक खातों में 1000-1000 रुपये हस्तांतरित किये गए। इसके बाद 13 दिसम्बर, 2024 को द्वितीय एवं तृतीय किश्त की एकमुश्त 1000-1000 रुपये की राशि कुल 702 करोड़ रुपये हस्तांतरित किये गए। योजना की चतुर्थ किस्त 18 अक्टूबर, 2025 को धनतेरस के दिन नदबई में जारी की गई, जिसमें 718 करोड़ रुपये की राशि किसानों के खातों में हस्तांतरित की गई। वहीं, 22 जनवरी 2026 को पांचवीं किस्त सिरोही में जारी की गई, जिसमें 653 करोड़ रुपये हस्तांतरित कर किसानों को संबल दिया गया।

राज्य सरकार दे रही अतिरिक्त सहायता

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत किसानों को 6 हजार रुपये की वार्षिक राशि तीन समान किस्तों में प्रदान की जाती है। किसानों को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए राज्य सरकार ने मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना लागू की। योजना के माध्यम से किसानों को 3,000 रुपये वार्षिक की अतिरिक्त सहायता दी जा रही है। यानि राज्य के किसानों को 6,000 रुपये के स्थान पर 9,000 रुपये की सम्मान निधि प्रतिवर्ष मिल रही है। इस अतिरिक्त राशि से किसान अपनी कृषि संबंधी आवश्यकताओं के साथ ही दैनिक जीवन की जरूरतें भी पूरी कर पा रहे हैं। राज्य सरकार सम्मान निधि की राशि चरणबद्ध रूप से बढ़ाकर 12 हजार रुपये प्रतिवर्ष करने के लिए प्रतिबद्ध है।

योजना के लाभ के लिए आवश्यक पात्रता

ऐसे कृषक जिनके पास भूमि 1 फरवरी 2019 के पहले से है, वे इस योजना के पात्र हैं। इस तिथि के बाद विरासत से अर्जित भू-धारक कृषक ही योजना का लाभ ले सकते हैं। कृषि योग्य भूमि का तात्पर्य है कि भूमि पर कृषि संबंधित कार्य किया जा रहा हो। किसान परिवार की परिभाषा में पति, पत्नी और नाबालिग बच्चे शामिल हैं। अत: एक परिवार में एक व्यक्ति ही लाभ हेतु पात्र है। योजना का लाभ प्राप्त करने के लिए कृषक स्वयं भारत सरकार द्वारा सृजित पीएम-किसान पोर्टल पर जाकर अपना पंजीयन करवा सकते हैं अथवा नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर एवं ई-मित्र के माध्यम से भी पंजीयन करवाया जा सकता है। पंजीयन के लिए परिवार के सदस्यों का आधार कार्ड, कृषक की फार्मर आईडी एवं डीबीटी इनेबल बैंक खाता होना अनिवार्य है। साथ ही, पंजीयन के दौरान आधार से जुड़े मोबाइल को साथ रखना अनिवार्य है।

योजना से बदल रहा है किसानों का जीवन

मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत अतिरिक्त राशि से किसानों को न केवल आर्थिक मजबूती मिल रही है, बल्कि उनके आत्मविश्वास और सम्मान में भी वृद्धि हो रही है। यह योजना आज किसानों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रही है। यह पहल सशक्तीकरण की दिशा में एक सशक्त कदम भी है।

जिला कलक्टर ने की फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की समीक्षा

-15 दिवस में अधिकारियों को योजनाओं में प्रगति लाने के लिए दिए निर्देश

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला कलेक्ट्रेट सभागार में मंगलवार को फ्लैगशिप योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के संबंध में जिला स्तरीय समीक्षा बैठक जिला कलक्टर संदेश नायक की अध्यक्षता में आयोजित हुई। इस दौरान विभिन्न फ्लैगशिप योजनाओं की विभागवार प्रगति की स्थिति की समीक्षा की गई। बैठक में जिला कलक्टर ने नवीन परिवारों को एनएफएसए से लाभान्वित करने की योजना के तहत जिला रसद अधिकारी (शहरी एवं ग्रामीण) को निर्देश दिए कि योजना की प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से उपखण्ड अधिकारियों एवं नगर निगम के उपायुक्तों के साथ साझा करते हुए प्रभावी मॉनिटरिंग कर जिले की रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित करें। उन्होंने सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के संयुक्त निदेशक को ऐसे ई-मित्रों की जाँच करने के निर्देश दिए हैं जहाँ अधिक मात्रा में आवेदन आवश्यक दस्तावेजों की पूर्ति न होने के कारण आवेदनकर्त्ताओं के खातों में लम्बित हैं। मुख्य

अयोजना अधिकारी डॉ. सुदीप कुमावत ने बताया कि बैठक में ऊर्जा विभाग की कुसुम योजना एवं संशोधित वितरण क्षेत्र योजनाओं की प्रगति में सुधार लाने तथा अंतर्विभागीय समस्याओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। महिला अधिकारिता विभाग की लाडो प्रोत्साहन योजना की रैंकिंग में सुधार लाने के निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण), स्वामित्व योजना, मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन अभियान तथा प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में जिले की रैंकिंग सुधारने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिला कलक्टर ने क्षेत्रीय उपनिदेशक, स्वायत्त शासन विभाग को संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र प्रगति सुनिश्चित करने तथा नगरीय निकायों से संबंधित योजनाओं में प्रगति लाने के निर्देश दिए। उन्होंने मिशन हरियालो राजस्थान में लक्ष्य के अनुरूप कार्य में प्रगति लाने के निर्देश दिये। उन्होंने कम रैंकिंग वाले विभागों को 15 दिवस में अपेक्षित प्रगति लाकर रैंकिंग में सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। बैठक में मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्रीमती प्रतिभा वर्मा, उप वनसंरक्षक वी. केतन कुमार अतिरिक्त जिला कलक्टर मुकेश कुमार मूंड सहित संबंधित अधिकारियों उपस्थित रहें।

केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान हमारा गौरव- गृह राज्यमंत्री

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म मंगलवार को भरतपुर के एक दिवसीय दौरे पर रहे। इस दौरान केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी द्वारा केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान में आयोजित 43वीं सारस गणना कार्यक्रम में उन्होंने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया। गृह राज्यमंत्री ने कहा कि पिछले 43 वर्षों से सारस गणना का यह सतत कार्य पर्यावरण संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम व्यक्तिगत लाभ के लिए नहीं, बल्कि भरतपुर, राजस्थान और देश की राष्ट्रीय धरोहर के संरक्षण, विकास और समृद्धि का प्रतीक है। उन्होंने केवलादेव नेचुरल हिस्ट्री सोसायटी अध्यक्ष एड. कृष्ण कुमार अरोड़ा को बधाई देते हुए कहा कि वर्षों से पक्षियों एवं वन्यजीवों की इस अमूल्य धरोहर को संरक्षित किया जा रहा है, जो हमारी संस्कृति, परंपरा और इतिहास को सहेजने का महत्वपूर्ण प्रयास है। इससे न केवल प्रकृति का संरक्षण होता है, बल्कि मानव जीवन का संतुलन भी बना रहता है। राज्यमंत्री ने कहा कि यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज सूची में शामिल केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान हमारा गौरव है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि साइबेरियन सारस की संख्या में कमी एक गंभीर विषय है, जिसका

मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग, कम वर्षा और जल की कमी है। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यटन विकास के लिए अनेक कार्य किए जा रहे हैं। केवलादेव घना पक्षी विहार के साथ-साथ बंध बारैठा, डीग जल महल, धार्मिक स्थलों एवं अन्य धरोहरों को देखने देशी-विदेशी पर्यटक आते हैं, जिससे स्थानीय लोगों को गाइड, होटल और टैक्सी जैसी सेवाओं के माध्यम से रोजगार प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि वैर के सफेद महल एवं फुलवाडी के सौंदर्यकरण और जीर्णोद्धार के कार्य जारी हैं, वहीं बंध बारैठा में बायोलॉजिकल पार्क एवं नगर वन विकसित किए जा रहे हैं। राज्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में भरतपुर के समग्र विकास हेतु अनेक परियोजनाएं प्रगतिरत हैं। उन्होंने बताया कि एक महत्वपूर्ण जल परियोजना के अंतर्गत भरतपुर, सीकरी, बंध बारैठा बांध, धौलपुर, अलवर सहित पूर्वी राजस्थान के 17 जिलों को जोड़ा गया है, जिससे सिंचाई, पेयजल, उद्योग और पर्यावरण संरक्षण के लिए जल उपलब्ध कराया जाएगा।

पुस्तक का किया विमोचन-

इस अवसर पर राज्यमंत्री ने डॉ. एमएम त्रिगुणायत एवं डॉ. कृतिका त्रिगुणायत द्वारा लिखित पुस्तक "पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण जैविकी" का विमोचन भी किया। कार्यक्रम के उपरांत राज्यमंत्री ने सारस के नवजात चूजों को देखा तथा उनकी देखभाल के लिए वन विभाग के अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। डीएफओ चेतन कुमार बीवी ने बताया कि 43वीं सारस गणना रिपोट घना पक्षी विहार में साईबेरियन सारस संख्या 22 और भरतपुर व डीग जिले के वेटलेण्ड क्षेत्र में 79 से बढ़कर 81 हो गई है।

हज 2026 की तैयारियों की खुली पोल, कर्बला हज हाउस में अव्यवस्थाओं का अंबार

-सफाई नदारद, सुरक्षा कमजोर, एंबुलेंस तक नहीं—अतिरिक्त जिम्मेदारी संभाल रहे अधिकारी पर उठे सवाल

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। हज 2026 का मुकद्दस सफर शुरू होने के साथ ही तैयारियों की जमीनी हकीकत सवालों के घेरे में आ गई है। रामगढ़ मोड़ स्थित कर्बला हज हाउस में अव्यवस्थाओं का ऐसा नजारा सामने आया है, जिसने प्रशासनिक तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। रॉयल पत्रिका टीम के मौके पर पहुंचने पर पाया गया कि हज हाउस परिसर में सफाई व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई थी। जगह-जगह गंदगी फैली हुई थी, जबकि नगर निगम के कर्मचारी भी मौके से नदारद नजर आए। इस लापरवाही के चलते हाजियों के परिजनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थिति तब और गंभीर दिखी जब हज हाउस के आसपास के मैदान में आवारा कुत्ते और पशु घूमते नजर आए। यह न केवल सुरक्षा बल्कि स्वास्थ्य के लिहाज से भी

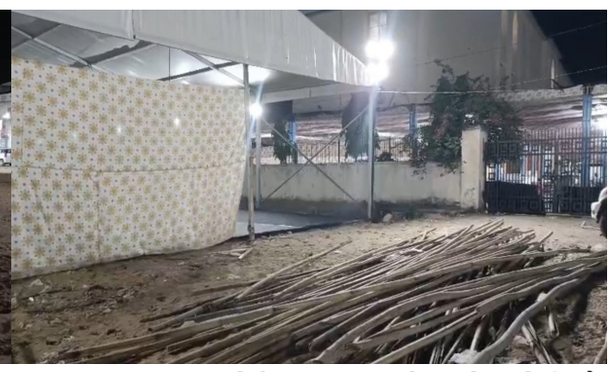

बड़ा खतरा साबित हो सकता है। आपातकालीन व्यवस्थाओं की बात करें तो मौके पर एंबुलेंस तक उपलब्ध नहीं थी। वहीं सुरक्षा व्यवस्था भी बेहद कमजोर दिखाई दी—इतने बड़े और संवेदनशील आयोजन के बावजूद पर्याप्त पुलिस बल तैनात नहीं किया गया।

अधिकारी पर उठे सवाल:-

इस पूरे मामले में प्रशासनिक जिम्मेदारी भी सवालों के घेरे में है। वर्तमान में राजस्थान हज कमेटी का अतिरिक्त कार्यभार RAS अधिकारी अबू सूफियान के पास है, जिनके पास राज वक्फ बोर्ड सहित कई विभागों की जिम्मेदारी भी है। ऐसे में यह सवाल उठ रहा है कि क्या एक ही अधिकारी पर अत्यधिक भार होने के कारण व्यवस्थाओं पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जा पा रहा है? औपचारिक रूप से हज हाउस की व्यवस्थाओं का समय-समय पर निरीक्षण करना अधिशासी अधिकारी की जिम्मेदारी होती है, लेकिन मौजूदा हालात इस जिम्मेदारी के निर्वहन पर सवाल खड़े कर रहे हैं।

समाज की प्रतिक्रिया:-

राजस्थान हज वेलफेयर सोसाइटी के महासचिव हाजी निजामुद्दीन ने भी व्यवस्थाओं पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि सामने आई कमियों को तुरंत दुरुस्त किया जाना चाहिए ताकि हाजियों और उनके परिजनों को किसी भी तरह की परेशानी न हो।

बड़ा सवाल:-

अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या हज जैसे बड़े और संवेदनशील आयोजन के लिए ऐसी तैयारियां पर्याप्त हैं? और प्रशासन इन खामियों को कितनी जल्दी दूर कर पाता है—इस पर सबकी नजरें टिकी हैं।

सदाचार व टीम भावना से करें कार्य - आबकारी आयुक्त

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने कहा कि कार्य के प्रति सदाचार रखते हुए विभागीय वित्तिय, निरोधात्मक लक्ष्यों को टीम भावना से पूर्ण किया जाना चाहिए। प्रदेश में प्रभावी निरोधात्मक कार्यवाहियों करते हुए इनकी संख्या में वृद्धि की जानी चाहिए। आबकारी आयुक्त मेहता सोमवार को आबकारी सभागार में राजस्थान आबकारी सेवा संघ के पदाधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने राजस्थान आबकारी सेवा संघ का स्वागत व अभिनन्दन करने पर आभार प्रकट किया। इससे पूर्व राजस्थान आबकारी सेवा संघ के पदाधिकारियों ने आबकारी आयुक्त नमित मेहता से शिष्टाचार भेंट करते हुए उनको आबकारी आयुक्त का पदभार ग्रहण करने की शुभकामनाएं प्रदान की। राजस्थान आबकारी सेवा संघ के पदाधिकारियों ने आबकारी आयुक्त को भरोसा दिलाया कि वे सभी एकजुट होकर समस्त विभागीय लक्ष्यों की समयबद्ध प्राप्ति के लिए प्रतिबद्ध हैं। इस मौके पर संघ के पदाधिकारियों ने आबकारी आयुक्त को विभागीय डीपीसी, पदोन्नति, ग्रेड पे सहित मांगों का मांग पत्र भी सौंपा। इस पर आबकारी आयुक्त नमित मेहता ने समस्त मांगों का परीक्षण कर आवश्यक कदम उठाने का भरोसा दिया। इस अवसर पर राजस्थान आबकारी सेवा संघ के अध्यक्ष सुरेश कुमार, महासचिव अशोक कुमार डिडेल, सहित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

पुष्कर घाटी बस हादसा: विधानसभा अध्यक्ष ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से की मुलाकात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पुष्कर घाटी में रविवार को हुए दर्दनाक बस हादसे पर त्वरित संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने जिला कलक्टर, पुलिस अधीक्षक एवं मेडिकल कॉलेज प्रिंसिपल से दूरभाष पर चर्चा कर हादसे की स्थिति, घायलों की संख्या, उपचार व्यवस्थाओं तथा राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। देवनानी ने अस्पताल पहुंचकर घायलों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी घायलों को

तत्काल, समुचित एवं गुणवत्तापूर्ण उपचार उपलब्ध कराया जाए तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस दौरान देवनानी ने घायलों के परिजनों से भी मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया और हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एवं प्रशासन पूरी संवेदनशीलता के साथ प्रभावितों के साथ खड़ा है।

चारधाम यात्रा को लेकर चिकित्सा विभाग ने जारी की हैल्थ एडवाइजरी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। प्रदेश से उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित चारधाम यात्रा के लिए जाने वाले तीर्थ यात्रियों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने हैल्थ एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी में यात्रा के दौरान आवश्यक तैयारी, जरूरी वस्तुएं साथ में रखने एवं स्वास्थ्य संबंधी बिन्दुओं को शामिल किया गया है। निदेशक जन-स्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि उच्च हिमालयी क्षेत्रों में स्थित तीर्थ स्थानों में यात्री का स्वास्थ्य अत्यधिक ठण्ड, कम आर्द्रता, अत्यधिक अल्ट्रा वॉइलेट रेडिएशन, कम हवा का दबाव और कम ऑक्सीजन की मात्रा से प्रभावित हो सकता है। ऐसे में सभी सुगम एवं सुरक्षित यात्रा हेतु दिशा—निर्देशों का पालन करना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि यात्री अपनी यात्रा की योजना कम से कम 7 दिनों के लिए बनाएं, वातावरण के अनुरूप ढ़लने के लिए समय दें। ट्रेक के हर एक घंटे बाद या ऑटोमोबाइल चढ़ाई के हर 2 घंटे बाद, 5-10 मिनट का ब्रेक लें। रोजाना 5-10 मिनट के लिए श्वास व्यायाम का अभ्यास एवं रोजाना 20-30 मिनट टहलना चाहिए। डॉ. शर्मा ने बताया कि वृद्धजन या हृदय रोग, अस्थमा, उच्च रक्तचाप या मधुमेह से ग्रसित रोगी फिटनेस सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य

जांच अवश्य करवाएं। साथ ही, गर्म कपड़े एवं बारिश से बचाव के लिए रेनकोट, छाता आदि साथ में लें। स्वास्थ्य जांच उपकरण पल्स ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर भी साथ रखें। हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, मधुमेह रोग वाले यात्री सभी जरूरी दवा, परीक्षण उपकरण और चिकित्सक का संपर्क नंबर साथ रखें। निदेशक जन-स्वास्थ्य ने बताया कि यात्रा के दौरान शराब, कैफीनयुक्त ड्रिंक्स, नींद की गोलियां और शक्तिशाली दर्द निवारक दवाओं का सेवन न करें, धूम्रपान से भी बचें। यात्रा के दौरान कम से कम दो लीटर तरल पदार्थ पिएं और भरपूर पोष्टिक आहार लें। कृपया अपनी यात्रा से पहले मौसम रिपोर्ट की जांच करें। उन्होंने बताया कि अगर डॉक्टर यात्रा न करने की सलाह देते हैं, तो यात्रा न करें। उत्तराखंड में चिकित्सा विभाग के सहायक निदेशक डॉ. अमित शुक्ला ने बताया कि उत्तराखंड सरकार द्वारा संचालित टोल फ्री नंबर 104 पर कॉल कर तत्काल मदद प्राप्त की जा सकती है। यदि किसी भी यात्री को सांस की तकलीफ (बात करने में कठिनाई), लगातार खांसी, चक्कर आना, भटकाव (चलने में कठिनाई), उल्टी, शरीर के एक तरफ कमजोरी या सुन्नता जैसे लक्षण दिखाई दें तो निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र या टोल फ्री नंबर की मदद अवश्य लें। उन्होंने बताया कि वृद्धजन, गर्भवती महिलाएं, हृदय रोग, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, मधुमेह या अधिक मोटापे से ग्रस्त यात्री चिकित्सा इकाइयों पर संपर्क करें और अपने स्वास्थ्य की जांच करवाएं। इसके अतिरिक्त कोई भी स्वास्थ्य सम्बंधित आपातकालीन घटना होने पर 104 हेल्पलाइन नंबर पर संपर्क करें।

खुले में कचरा डालते पाये जाने पर 22 हजार रूपये का किया जुर्माना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम आयुक्त ओम कसेरा के निर्देषानुसार एवं उपायुक्त मुरलीपुरा जोन पवन कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को न्यू आतिष मार्केट, लोहा मण्डी रोड़ माचेडा में खुले में कचरा डालते हुये पाये जाने पर दोषी व्यक्ति पर कार्रवाई की गई। उपायुक्त मुरलीपुरा जोन पवन कुमार शर्मा ने बताया कि बार-बार स्थानीय निवासियों द्वारा षिकायत प्राप्त होने पर मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक श्रीमती नीलम षर्मा की टीम द्वारा न्यू आतिष मार्केट, लोहा मण्डी रोड़ का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान मौके पर डम्पर कचरा एवं सी.एण्ड.डी वेस्ट खाली करते हुये पाये जाने पर मुख्य स्वास्थय निरीक्षक की टीम द्वारा 22 हजार रूपये कैरिंग चार्ज की वसूली की गयी एवं भविष्य में कचरा नहीं डालने हेतु पाबंद किया गया ।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए	
टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912
कचरा गाड़ी के लिए	
ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420
पुलिस की मदद के लिए	
साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181
पानी के लिए	
जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400
मेडिकल इमरजेंसी के लिए	
एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771
घायल पशुओं के लिए	
नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

अल्पसंख्यक ग्रामीण जिला अध्यक्ष ने प्रदेश अध्यक्ष एम. डी. चोपदार का कांग्रेस कार्यालय पर केक काटकर जन्म दिन बनाया

इकबाल मोहम्मद शाह

बनेड़ा (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस कार्यालय में मंगलवार को अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एम. डी. चोपदार के जन्मदिन के अवसर पर प्रदेश कोर्डिनेटर आरिफ मोहम्मद कायमखानी ने बताया की कांग्रेस विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रेगर व अल्पसंख्यक ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस कार्यालय में केक काटकर हर्षोल्लास के साथ 21 अप्रैल को जन्मदिन मनाया। इस मौके पर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला और सभी ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर शुभकामनाएं दीं। विधायक प्रत्याशी नरेंद्र कुमार रेगर ने बताया कि अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष एम.डी. चोपदार ने जयपुर में सद्भावना सम्मेलन किया जिसमें पूरे राजस्थान में अल्पसंख्यक विभाग में गर्व की बात है और पूरे राजस्थान में अल्पसंख्यक विभाग की जबरदस्त टीम खड़ी करी है और चोपदार नियुक्त होने के बाद लगातार रात दिन कांग्रेस पार्टी के लिए काम करने पर उनका आभार व्यक्त किया ओर पूरे राजस्थान में उनकी सराहना हुई ओर में एम डी चोपदार को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। इसके बाद अल्पसंख्यक प्रदेश कोर्डिनेटर आरिफ मोहम्मद कायमखानी ने कहा कि प्रदेश अध्यक्ष एम डी चोपदार के नेतृत्व में कांग्रेस संगठन लगातार मजबूत हो रहा है और जनसेवा के कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सेवा कार्य समाज में सकारात्मक संदेश देते हैं। कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के भीलवाड़ा ग्रामीण जिला अध्यक्ष इकबाल मोहम्मद शाह ने नवनियुक्त प्रदेश को कोर्डिनेटर बनने पर आरिफ मोहम्मद कायमखानी को माला व साफा पहनाकर स्वागत किया ओर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान नियाज मोहम्मद सिलावट, इमरान अंसारी, अनिल धाबाई, रोशन खा, शब्बीर खा कायमखानी, सोहेल अंसारी, जाहिद सिलावट, मुबारिक अंसारी कांग्रेस के कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला स्टेडियम पर वीर योद्धा लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ का मूर्ति अनावरण

-कृषि उपज मंडी में आयोजित होने वाले पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ के जन्मदिन पर आयोजित संकल्प सभा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। मूर्ति अनावरण एवं जन्म दिवस के संदर्भ में कृषि उपज मंडी में एक प्रेस वार्ता हुई जिसमें विधायक हरलाल सहारण, जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा, जिला महामंत्री चन्द्राराम गुरी, अभिषेक चोटिया ने प्रेस वार्ता कर कार्यक्रम के बारे में जानकारी दी। विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि चूरू की धरती के लाल लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ की मूर्ति का अनावरण 22 अप्रेल को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला एवम् सिक्किम के राज्यपाल ओम माथुर के द्वारा किया जायेगा। इसके अतिरिक्त पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़ के जन्मदिन संकल्प सभा के रूप में विशाल जनसभा का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला और सिक्किम के राज्यपाल ओम माथूर के अलावा अनेक वरिष्ठ नेता एवम् कार्यकर्ता उपस्थित रहेगे। जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने कहा कि लेफ्टिनेंट जनरल सगत सिंह राठौड़ के नाम पर पिछले दिनों मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जिला खेल स्टेडियम का नाम रखा था अब इनकी मूर्ति का अनावरण किया जायेगा एवम् संकल्प रैली के रूप में पूर्व नेताप्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ का जन्मदिन कार्यकर्ता मनायेगे। इस अवसर पर नेताप्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, जिला मीडिया सहसंयोजक नीरज जांगिड़ सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। और पंडाल का जायजा लिया।

पृथ्वी दिवस पर पर्यावरण का बदलते रुख धरती के विनाश का कारण - प्रोफ़ेसर डॉ. शेर मोहम्मद

चूरू (रॉयल पत्रिका)। आज पृथ्वी दिवस है इस अवसर पर विश्व के लाखों लोग स्थानीय एवं वैश्विक पर्यावरणीय समस्याओं पर विचार करेंगे। जैसा कि हम जानते हैं कि वैश्विक गर्माहट की समस्या धरती के समक्ष एक संकट है, जिससे समग्र जीव-सृष्टि का भविष्य जुड़ा हुआ है। विज्ञान, मानव के विवेक एवं ज्ञान का ही परिणाम है, परन्तु विज्ञान ने आदमी को खतरे में डाल दिया है। बड़े ही खुशी और प्रसन्नता की बात थी कि तरह-तरह की नई चीजों का निर्माण हुआ और औद्योगिक क्रान्ति हुई। मानव आसमान में उड़ने लगा, समुद्र की सेर करने लगा, पाताल की टोह लेने लगा परन्तु आज वही मानव धरती को छलनी किये जा रहा है। सर्वप्रथम 1969 में पृथ्वी सम्मेलन की धारणा आयी एवं प्रथम पृथ्वी सम्मेलन बुधवार 22 अप्रैल, 1970 को मनाया गाय। आमजन में इसका प्रचलन 1992 में आया जब ब्राजील की राजधानी रियोडीजेरियो में पृथ्वी सम्मेलन आयोजित हुआ, जिसमें पृथ्वी की बारे में इतनी गहन चर्चा एकमुश्त समय में आज तक नहीं हुई और इसके बाद समय-समय पर कई पृथ्वी सम्मेलन आयोजित किये गये। इसके उपरान्त भी समाप्त हो गये, जिससे सभी को निराशा हुई तथा विकासशील देशों एवं विकसित देशों के बीच की खाई और गहरी होती चली गई। पृथ्वी एक ऐसा गृह है जिसे कि मां के रूप में देखा जाता है क्योंकि यह हम सभी को पालती है, हमारा पोषण करती है लेकिन दिन-ब-दिन पृथ्वी की स्थिति दयनीय होती जा रही है। ओजोन लेयर में छेद हो चुका है, जलवायु परिवर्तित हो रही है, मनुष्य पृथ्वी के प्रति अपने कर्तव्यों से भाग रहा है, यही कारण है कि विश्व पृथ्वी दिवस का आयोजन करके विश्वभर के लोगों का ध्यान इस और आकर्षित करने का प्रयास किया जाता है। इसे दुनियाभर के 195 देशों द्वारा मनाया जाता है। बता दें कि पृथ्वी दिवस (पृथ्वी दिवस पर संदेश) की गतिविधियों में दुनियाभर से लगभग 1 अरब लोग हर साल हिस्सा लेते हैं। इस वजह से दुनिया का सबसे बड़ा नागरिक आंदोलन है। 22 अप्रैल 2026 को मनाए जाने वाले पृथ्वी दिवस (Earth Dav) की आधिकारिक 2026 की थीम के मुख्य बिंदुः 1. लक्ष्य: 2030 तक दुनिया भर में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को तीन गुना करने की दिशा में काम करना। 2. महत्वः यह थीम बिजली के लिए कोयले व जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने और स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देने का आह्वान करती है। 3. ध्यानः यह आम लोगों को यह याद दिलाता है कि वे अपनी दैनिक गतिविधियों से जलवायु परिवर्तन के खिलाफ लड़ सकते हैं। इस साल, पृथ्वी दिवस के माध्यम से जलवायु कार्रवाई, वायु प्रदूषण में कमी और टिकाऊ ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देने वाली गतिविधियों पर जोर दिया जा रहा है।

एम.डी. चोपदार का जन्मदिवस सेवा दिवस के रूप में मनाया गया

-दौसा में "सबका घर आश्रम" में बेघर, बेसहारा, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के बीच फल वितरित किए गए

शफीक अली

महवा/दौसा (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेशाध्यक्ष एम.डी. चोपदार के जन्मदिवस के अवसर पर दौसा जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के जिला अध्यक्ष फराज अहमद के नेतृत्व में दौसा स्थित "सबका घर आश्रम" में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में बेघर, बेसहारा, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के बीच फल वितरित कर जन्मदिन को सेवा दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर आश्रम के निदेशक नवल किशोर भांकरी ने जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के समस्त पदाधिकारियों को प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। फराज अहमद ने कहा कि एम.डी. चोपदार के जन्मदिवस को सेवा दिवस के रूप में मनाना एक अच्छा अवसर है, जिससे हम समाज के बेघर, बेसहारा, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सेवा कर सकें। इस अवसर पर जिला महासचिव तालिब हुसैन, सचिव जाकिर अली, संयुक्त सचिव मुस्तकीम अहमद एवं संयुक्त सचिव रहीस खान सहित अन्य साथी उपस्थित रहे। फराज अहमद ने कहा कि एम.डी. चोपदार के नेतृत्व में अल्पसंख्यक विभाग के कार्यकर्ता समाज के बेघर, बेसहारा, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सेवा करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। इस अवसर पर आश्रम के निदेशक नवल किशोर भांकरी ने कहा कि जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के पदाधिकारियों का यह प्रयास सराहनीय है। उन्होंने कहा कि समाज के बेघर, बेसहारा, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की सेवा करना हमारा कर्तव्य है।

ट्रांसफोर्मेटिव ट्यूजडेज कार्यक्रम अंतर्गत आयोजित हुआ स्कूली विद्यार्थियों का विधिक जागरूकता कार्यक्रम

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राज. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) सोनिका पुरोहित एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ. शरद कुमार व्यास के निर्देशानुसार 'ट्रांसफोर्मेटिव ट्यूजडेज— लीगल लिटरेसी व सेंसिआइजेशन प्रोग्राम' के तहत द्वितीय सत्र मंगलवार को चूरू न्यायक्षेत्र के निजी एवं सरकारी विद्यालयों में विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जागरूकता गतिविधियों के दौरान प्रशिक्षु न्यायिक अधिकारी रश्मि शर्मा, श्वेता मीणा व आशीष परेवा ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय चूरू व लार्डस इन्टरनेशनल स्कूल, गाजसर में विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर बच्चों को साइबर अपराध के बारे में जानकारी दी। साथ ही साइबर अपराध से बचने के लिए हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताया। कार्यकम में कक्षा 8 से 12 तक के विद्यार्थियों के बीच में साइबर अपराध के संबंध में विधिक जागरूकता उत्पन्न कर उन्हें इस अपराध से दूर रखे जाने का प्रयास किया जाएगा। इस कार्यकम हेतु विद्यालय स्तरीय मैकेनिज्म के संबंध में भी जानकारी देते हुये बताया कि विद्यालयों में "कोर्ट वाली दीदी" के नाम से बच्चों के अनुकूल शिकायत/सुझाव पेटी स्थापित की जायेगी व सुझाव पेटिकाओं में आने वाली शिकायतों का शेड्यूल के अनुसार निस्तारण किया जाएगा। इसके अलावा विद्यालयों में जूनियर लीगल लिटरेसी क्लब स्थापित किए जाने, प्रत्येक माह होने वाले इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को साइबर अपराध से मुक्त रखने के प्रयास करने के बारे में जानकारी दी। इसके अलावा एलएडीसीएस सुमेरसिंह, विवेक प्रिय सोनी, प्रकाश वर्मा, प्रियंका, संतलाल सहारण, योगेश सहारण व मेघना राकांवत व पैरा लगल वॉलियन्टर्स ने भी विभिन्न विद्यालयों में विधिक जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन कर बच्चों को साईबर अपराध के संबंध में जानकारी दी।

राजस्थान नायक समाज द्वारा तीन सूत्री मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जाएगा

चूरू (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान नायक समाज संयुक्त समिति राजस्थान जिला चुरु के बैनर तले तीन सूत्री मांगों को लेकर राज्य सरकार व केंद्र सरकार को ज्ञापन प्रस्तुत कर नायक समाज का शिष्टमंडल राज्य के मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री व विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलकर तीन सूत्री मांग पत्र देगी। जिला अध्यक्ष रामेश्वर प्रसाद नायक ने बताया कि इस संबंध में मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री एवं विपक्ष के नेता राहुल गांधी से समय मांगा गया है। 1. नए समाज को अनुसूचित जनजाति का संवैधानिक अधिकार दिलाने व पोर्टल पर नायका से नायक करवाने बाबत। 2. चूरू जिला मुख्यालय पर छात्र-छात्राओं हेतु नायक समाज के लिए भूमि आवंटन बाबत। 3. राजस्थान राज्य में नायक समाज के लिए विकास बोर्ड/कल्याण बोर्ड की स्थापना करने बाबत मांग रखेंगे।

बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और जनसमस्याओं के त्वरित समाधान के विधायक राजेंद्र मीणा ने प्रशासनिक अधिकारियों को दिए निर्देश

शफीक अली

महवा (रॉयल पत्रिका)। महवा में मंगलवार को उपखण्ड अधिकारी सुश्री मनीषा रेशम की अध्यक्षता में बचत घोषणाओं की क्रियान्विति को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक आयोजित की गई। जिसमें विधानसभा क्षेत्र के महुवा, मंडावर, बैजूपाड़ा के उपखंड अधिकारी तहसीलदार विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने राज्य सरकार की बजट घोषणाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष जोर दिया गया। इस दौरान विधायक राजेंद्र मीणा ने अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी योजनाओं को तय समयसीमा में धरातल पर उतारा जाए, ताकि आमजन को शीघ्र लाभ मिल सके। उपखण्ड अधिकारी महुआ मंडावर ने स्पष्ट कहा कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। साथ ही क्षेत्र में व्याप्त मूलभूत जनसमस्याओं—जैसे पेयजल, सड़क, बिजली, स्वच्छता एवं राजस्व संबंधी मामलों—के त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे नियमित रूप से फील्ड विजिट कर समस्याओं का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित करें। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य करेंगे और जनहित के मामलों को प्राथमिकता देंगे। लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर उन्हें शीघ्र निस्तारित करने के निर्देश भी दिए गए। उपखण्ड अधिकारी ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य आमजन को राहत पहुंचाना है और इसके लिए सभी अधिकारी पूरी संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। बैठक के अंत में विधायक राजेंद्र मीणा को अधिकारियों ने निर्देशों की पालना का आश्वासन दिया।

हरियालो राजस्थान के तहत मनाया प्रदेशाध्यक्ष चोपदार का जन्मदिन

बारां (रॉयल पत्रिका) । प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष एम. डी. चोपदार का जन्मदिन मंगलवार 21 अप्रैल को प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश कोऑडिनेटर हाजी नासिर मिर्ज़ा के नेतृत्व में उनके कार्यालय पर केक काटकर ओर सामाजिक कार्य करके मनाया गया। जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष जाकिर मंसूरी ने सभी कार्यकर्ताओं से पार्टी के प्रति समर्पित भाव से काम करने की बात कही। इस दौरान कांग्रेस सेवादल के प्रदेश सचिव अशरफ देशवाली, सेवादल के जिलाध्यक्ष शिवशंकर यादव, जिला कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के पूर्व जिलाध्यक्ष शाहिद कुंडी, पूर्व प्रदेश सचिव रईस फैजी, खेल प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष शाहिद इकबाल भाटी, हाजी मोहम्मद बबलू, पूर्व पार्षद नियाज मोहम्मद, पूर्व पार्षद अखलाक अंसारी, मुमताज अहमद, मोहम्मद एहसान, शाहिद अहमद, संजय उर्फ साजिद पठान, बॉबी, बिलाल, गौरव, राजू, अरशद, शोएब, बिट्, हनीफ समेत कई कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राणासर से हज के सफर लिए हज यात्री रवाना हुए और दुआएं की

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। निकटवर्ती गांव राणासर से मंगलवार 21 अप्रैल 2026 को राजस्थान जयपुर से तीसरी फ्लाइट हज के लिए रवाना हुई जिसमें गांव राणासर से इकबाल खान पुत्र फेज्जू खान मून खानी अपनी अहलिया के साथ हज के लिए रवाना हुए। इलियास खान झारिया ने बताया इस मुबारक मौके पर इकबाल खान के घर पर दुआएं करवाई गई और देश और वतन के लिए खुशहाली के लिए दुआएं कराई गई । वहां जाकर सभी देशवासियों के लिए अमन चैन की दुआएं करेंगे अल्लाह इनका सफर आसान फरमाए गांव वासि और रिश्तेदार सभी दुआ में शामिल हुए और कहा -अल्लाह आपको और आपके परिवार को हज मुबारक करे। यह पाक सफर आपके जीवन में रूहानियत और सुकून लाए। खुदा आपकी इबादत और दुआएं कुबूल फरमाए और आपकी यात्रा को महफूज रखे। वहां हमारे और पूरे मुल्क की खुशहाली के लिए दुआ जरूर कीजिएगा। आपकी हज यात्रा सफल हो और सफर आसान हो। इस मौके पर मुस्ताक खान, लियाकत खान, शौकत खान रिटायर गिरदावरर, मुमताज खान, निसार खान, मोहिद्दीन खान, यासीन खान, कयूम खान, इब्राहिम खान, डॉक्टर फारूक खान, नदीम खान, फरियाद खान, अरबाज खान, युसूफ खान, यूनुस खान, शौकत खान दूल्हे खानी चूरू, इलियास खान झारिया और सभी राणासर ग्रामवासी उपस्थित रहे।

राजस्थान मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एम. डी. चोपदार के जन्मदिन पर कार्यक्रम आयोजित

बारां (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान मदरसा बोर्ड के चेयरमैन ओर प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के चेयरमैन एम. डी. चोपदार के जन्मदिन पर मंगलवार को अंजुमन इस्लामियां में तबर्रुक बांटकर उनकी लंबी उम्र की दुआ की गई। कार्यक्रम में अंजुमन सदर मोहम्मद शाहिद मन्नू पठान, अल्पसंख्यक कांग्रेस के जिलाध्यक्ष अली हुसैन टीपू, मुख्तार अंसारी अंता, जीशान रहबर ओर शाहरुख अंसारी सहित अन्य पदाधिकारी मंच पर मौजूद रहे। प्रोग्राम की शुरुआत तिलावत ए कुरान से की गई। इसके बाद अंजुमन सदर मन्नू पठान ने बच्चों को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी लोग पढ़ लिखकर आईएएस, आईपीएस, डॉक्टर, इंजीनियर सहित बड़े मुकाम हासिल करें, ऐसी हम आपसे अपेक्षा रखते हैं। इसके बाद बच्चों को तबर्रुक बांटा गया। ओर दुआ का साथ प्रोग्राम का समापन किया गया।

पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत राजकीय उच्च माध्यमिक स्कूल मोहब्बतपुरा में बच्चों का किया स्वास्थ्य परीक्षण

रेनवाल मांजी (रॉयल पत्रिका)। आदर्श आयुष्मान आरोग्य मन्दिर कौशल्या दास की बावडी द्वारा पोषण पखवाड़ा के अंतर्गत के तहत स्वास्थ जांच आयुर्वेद विभाग कौशल्या दास की बावडी टीम द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहब्बतपुरा में स्कूल की छात्राओं एवं छात्रों की रक्ताल्पता एवं प्रमेह की जांच की गई। नर्स श्रीमति सुमन पारीक द्वारा छात्राओं को मासिक धर्म के बारे में विस्तृत जानकारी स्कूल की छात्राओं को दी गई। योगप्रशिक्षक रामपाल चौधरी एवं महिला योग प्रशिक्षक सरस्वती शर्मा द्वारा योग के लिए आयुष्मान आरोग्य मन्दिर पर आने के लिए प्रेरित किया गया। डॉ. लक्ष्मीकात्त शर्मा ने आयुष मित्र एव आयुष सखियों को रक्तचाप नापने एवं प्रमेह की रक्ताल्पता की जांच करने के लिए एवं स्वस्थजीवन -शैली को अपनाने एवं आहार, निद्रा एवं ब्रह्मचर्य का पालन करने के लिए प्रेरित किया गया। ग्राम मोहब्बतपुरा में घर पर हैल्थ सर्वे एवं मौसमी बीमारियों से बचने एवं लू-ताप से बचने के घरेलू उपचारों की जानकारी दी। डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मोहब्बतपुरा में 31 छात्राओं को रक्ताल्पता, एवं प्रमेह के 35 छात्रों का परीक्षण किया गया एवं स्वस्थ जीवन शैली के लिए प्रेरित किया गया एवं सभी युवा बच्चों को आदर्श आयुष्मान आरोग्य मन्दिर योग पर योग कक्षा में आने के लिए योग प्रशिक्षक रामपाल चौधरी एवं सरस्वती शर्मा महिला योग प्रशिक्षक ने उद्धबोधन देकर प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्य अरविन्द शर्मा ने सभी बच्चों को योग करने के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाचार्य सुनीता गोंसाई एवं वरिष्ठ अध्यापक अरविंद शर्मा ने सभी बच्चों को योग करने के लिए प्रेरित किया।

बजट घोषणा के कार्यों में तत्परता से लाएं प्रगति - जनागल

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर भंवरलाल जनागल ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ आमजन तक पहुंचाने के लिए सभी विभागों के अधिकारी तत्परता से कार्य करें तथा बजट घोषणाओं, फ्लैगशिप योजनाओं सहित अन्य विकास कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। साथ ही किसी भी कार्य में आने वाली तकनीकी अड़चनों के निराकरण के लिए भी पूर्ण मनोयोग से कार्य करें। जिला कलक्टर जनागल ने यह निर्देश मिनी सचिवालय के सभागार में मंगलवार दोपहर जिला स्तरीय अधिकारियों की आयोजित समीक्षा बैठक में दिए। उन्होंने बैठक के दौरान राज्य सरकार की जिले से संबंधित वर्ष 2024-25 व 25-26 व 2026-27 की बजट घोषणाओं के कार्यों में प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा लंबित व प्रगतिरत कार्यों के बारे में आ रही रूकावटों के बारे में जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किए। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं के कार्य जिले के विकास को मजबूत आधार प्रदान करेंगे। ऐसे में इन्हें समयबद्धता और पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा किया जाना चाहिए। बैठक में उन्होंने बजट घोषणा से संबंधित सभी बिंदुओं पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश प्रदान किए। बैठक में संबंधित विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित थे।

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

मिडिल ईस्ट संकट: भारत ने पूरी दुनिया को चौंकाया

नई दिल्ली, एजेंसी। मिडिल ईस्ट में घमासान जारी है। इसके बावजूद पूरी दुनिया में एक चीज की चर्चा है। वह है भारत की विकास यात्रा के स्थिर रहने की उम्मीद। अपनी ताजा रिपोर्ट में एसबीआई रिसर्च ने कहा कि देश तेल संकट और ईरान युद्ध का सामना 'मजबूत स्थिति' से कर रहा है। उसने वित्त वर्ष 2026-27 में जीडीपी विकास दर 6.8 प्रतिशत से 7.1 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। इस मुश्किल दौर में यह रफ्तार चौंकाने वाली है।

मजबूत घरेलू बुनियादी बातों को भी एक अहम सुरक्षा कवच माना जा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया, 'भारत का बैंकिंग सेक्टर मजबूत है। साथ ही 'बैलेंस ऑफ पेमेंट्स' यानी भुगतान संतुलन और रुपये को सहारा देने के लिए एक व्यापक पैकेज की जरूरत पर भी जोर दिया गया है। वैसे रिपोर्ट ने संभावित जोखिमों की ओर भी इशारा किया। कहा कि सुपर अल नीनो का डर विकास के अनुमानों पर भारी पड़ सकता है। महंगाई की औसत दर 4.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। जबकि राजकोषीय घाटा 4.5-4.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। चल रहे संघर्ष का असर सभी सेक्टरों पर पड़ रहा है। एसबीआई रिसर्च ने कृषि, एमएसएमई, उपभोग और ग्लोबल सप्लाई चेन पर असर डालने वाले 'कई तरह के प्रतिकूल हालात का जिक्र किया है। हालांकि, इसने कुछ ऐसे सकारात्मक संकेतों की ओर भी इशारा किया है जो भारत को ग्लोबल चेन में अपनी स्थिति फिर से मजबूत करने में मदद कर सकते हैं।

पूरी तरह अलग हो सकते हैं अनुभव

रिपोर्ट में कई उदाहरणों का जिक्र किया गया है। मसलन, 1973 का तेल प्रतिबंध, 1979 का ईरान संकट, खाड़ी युद्ध और 2008 का वैश्विक वित्तीय संकट। तब कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के बाद अमेरिका की अर्थव्यवस्था में मंदी का दौर आया था। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इस बार हालात अलग हो सकते हैं। कारण है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था में कई बदलाव आए हैं। चूंकि अमेरिका अब ऊर्जा के मामले में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है और एक शुद्ध ऊर्जा निर्यातक के तौर पर काम कर रहा है। लिहाज, तेल की बढ़ी हुई कीमतें देश की घरेलू अर्थव्यवस्था के अंदर ही ज्यादा बनी रह सकती है। बजाय इसके कि वे पहले की तरह बाहरी अर्थव्यवस्था पर भारी दबाव डालें।

इसके बावजूद रिपोर्ट में यह चेतावनी भी दी गई है कि जोखिम अभी भी बने हुए हैं। मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और ग्लोबल सप्लाई चेन में आ रही रुकावटों के कारण अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है।

बना हुआ है अनश्चितिता का माहौल

रिपोर्ट में अमेरिका के परिवारों को मिलने वाले भारी टैक्स रिफंड का भी जिक्र किया गया है। यह रिफंड कंजम्पशन के स्तर को बनाए रखने में मदद कर सकता है। किसी भी संभावित मंदी के असर को कम करने या उसे टालने में सहायक हो सकता है। भले ही तेल संकटों और अमेरिका की आर्थिक मंदी के बीच का पारंपरिक संबंध अब कमजोर पड़ गया हो। लेकिन, यह पूरी तरह से खत्म नहीं हुआ है। रिपोर्ट में ग्लोबल इन्वेस्टमेंट के तरीकों में आए बदलावों पर भी रोशनी डाली गई है। इसमें कहा गया है कि दुबई और अबू धाबी के फाइनेंशियल हब अब अनिश्चितता के दौर में प्रवेश कर रहे हैं। इसके चलते कुछ ग्लोबल इन्वेस्टर और एनआरआई (अनिवासी भारतीय) दुबई में अपने निवेश की स्थिति पर फिर से विचार कर रहे हैं।

भारत की ग्रोथ स्टोरी मजबूत

कुल मिलाकर रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत की ग्रोथ स्टोरी अपनी मजबूती का प्रदर्शन करती रहेगी। ग्लोबल और क्षेत्रीय चुनौतियों के बावजूद विकास दर 6.8 प्रतिशत से 7.1 प्रतिशत की सीमा में रहने की संभावना है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लिए रिपोर्ट ने 'विकास और महंगाई के विरोधाभास' को हाईलाइट किया। कहा कि इस मोड़ पर दरों में बदलाव का फैसला लेने की गुंजाइश बहुत कम है। उसे उम्मीद है कि दरें तब तक जस की तस रहेंगी जब तक युद्ध का पूरा असर साफ नहीं हो जाता। साथ ही बदलते जलवायु पैटर्न के नतीजे नहीं आ जाते। इसका मतलब है कि लंबे समय तक कम दरें बने रहने का सिलसिला जारी रहेगा। ग्लोबल सिनेरियो पर नजर डालते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि अतीत में तेल संकटों ने अक्सर अमेरिका को मंदी की ओर धकेला है। हालांकि, मौजूदा हालात कुछ अलग तरह से सामने आ सकते हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पहले के तेल संकटों के उलट अमेरिका के परिवारों को अब काफी ज्यादा टैक्स रिफंड मिल रहा है। अमेरिका अब एनर्जी के मामले में आत्मनिर्भर है जो पहले के दौर से बिल्कुल अलग है। लिहाजा, तेल निर्यातक के तौर पर जब तेल की कीमतें बढ़ती हैं तो अमेरिका अब ऊर्जा पर होने वाला ज्यादातर खर्च अपने देश के अंदर ही रखता है।

50 दिन में 4.63 लाख करोड़ का नुकसान, कई दशक में सबसे बड़ा सप्लाई शॉक

नई दिल्ली, एजेंसी। ईरान युद्ध आफत लेकर आया है। खासतौर से ऊर्जा बाजारों के लिए इसने मुसीबत खड़ी की है। दुनिया को 50 अरब डॉलर (लगभग 4.63 लाख करोड़ रुपये) से ज्यादा

कीमत के कच्चे तेल (क्रूड) का नुकसान हुआ है। युद्ध के कारण इसका उत्पादन नहीं हो सका। लगभग 50 दिन पहले इस युद्ध की शुरुआत हुई थी। यह आधुनिक इतिहास में ग्लोबल एनर्जी बाजारों में सबसे बड़े व्यवधानों में से एक है। भारत क्रूड और गैस का बड़ा इंपोर्टर है। ऐसे में उस पर इस संकट का असर पड़ना लाजिमी है। रॉयटर्स ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि फरवरी के आखिर में जब यह संघर्ष शुरू हुआ, तब से ग्लोबल सप्लाई से 50 करोड़ बैरल से ज्यादा कच्चा तेल और कंडेनसेट बाहर हो गया है। इससे बाजार में किल्लत पैदा हुई है। एनर्जी सिक्योरिटी को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। रॉयटर्स के अनुसार, इस व्यवधान का पैमाना काफी बड़ा है। विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि इसके दुष्प्रभाव महीनों और शायद सालों तक बने रह सकते हैं। क्षतिग्रस्त बुनियादी ढांचे और रुके हुए उत्पादन को ठीक होने में समय लगेगा। रिपोर्ट के अनुसार, संकट के चरम पर उत्पादन में कटौती लगभग 1.2 करोड़ बैरल प्रतिदिन तक पहुंच गई थी। जबकि ग्लोबल भंडार पहले ही प्रभावित हो चुका है। यह सप्लाई चेन पर पड़ रहे दबाव को दिखाता है। हालांकि, तनाव कम होने के शुरुआती संकेत मिल रहे हैं। इसमें युद्धविराम समझौता और होर्मुज स्ट्रेट का फिर से खुलना शामिल है। फिर भी पूरी तरह से ठीक होने में अभी काफी समय लगेगा। इस संघर्ष ने खाड़ी के कुछ हिस्सों सहित प्रमुख तेल उत्पादक क्षेत्रों में तेल के प्रवाह को बाधित किया है। इसने वैश्विक कीमतों में उतार-चढ़ाव पैदा किया है। इससे भू-राजनीतिक तनावों के बीच ऊर्जा बाजारों की नाजुक स्थिति और भी साफ हो गई है।

पीसी ज्वैलर में तूफानी तेजी

नई दिल्ली, एजेंसी। पेनी स्टॉक पीसी ज्वैलर में सोमवार को तूफानी तेजी आई है। पीसी ज्वैलर के शेयर सोमवार को 10 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। पीसी ज्वैलर के शेयर में 4 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 10.03 रुपये पर पहुंच गए हैं। ज्वैलरी कंपनी के शेयरों में यह तेजी कर्ज चुकाने से जुड़े एक बड़े अपडेट के बाद आई है। पीसी ज्वैलर ने शुक्रवार को बताया है कि उसने कर्ज घटाने से जुड़े अपने मौजूदा प्लान के तहत कंसोर्शियम लेंडर्स के साथ ज्वाइंट सेटलमेंट एग्रीमेंट के मुताबिक बैंकों के बकाए कर्ज का करीब 10 पर्सेंट और चुका दिया है। बैंकों का 90 प्रतिशत से ज्यादा बकाया चुकाया पीसी ज्वैलर लिमिटेड ने बताया है कि हाल में चुकाए गए इस कर्ज के साथ ही सेटलमेंट एग्रीमेंट होने के बाद से कंपनी ने बैंकों के अपने बकाए का 90 पर्सेंट से ज्यादा भुगतान कर दिया है। ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर ने कहा है कि कर्ज चुकाने की उसकी प्रगति, कर्ज-मुक्त होने का दर्जा हासिल करने के उसके लक्ष्य के मुताबिक ही है। पीसी ज्वैलर ने कहा है कि वह अपनी फाइनेंशियल रिस्ट्रक्चरिंग एक्सरसाइज पूरा करने की दिशा में बढ़ रही है। कंपनी ने कहा है कि निकट भविष्य में कर्ज-मुक्त पोजिशन हासिल करने को लेकर वह प्रतिबद्ध है। पीसी ज्वैलर ने पिछले हफ्ते बताया था कि मार्च 2026 तिमाही में उसके स्टैंडअलोन रेवेन्यू में सालाना आधार पर 32 पर्सेंट की ग्रोथ देखने को मिली है। कंपनी ने बताया है कि वित्त वर्ष 2026 में उसका रेवेन्यू सालाना आधार पर करीब 49 पर्सेंट बढ़ा है। ज्वैलरी कंपनी पीसी ज्वैलर लिमिटेड के शेयर पिछले 5 साल में 335 पर्सेंट से अधिक चढ़ गए हैं। पीसी ज्वैलर के शेयर 23 अप्रैल 2021 को 2.30 रुपये पर थे। ज्वैलरी कंपनी के शेयर 20 अप्रैल 2026 को 10.03 रुपये पर जा पहुंचे हैं। पिछले 4 साल में पीसी ज्वैलर के शेयरों में 300 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। अगर पिछले 3 साल की बात करें तो ज्वैलरी कंपनी के शेयर 290 पर्सेंट से ज्यादा उछल गए हैं।

सैमसंग बीईएस गुरुग्राम में एआई से संचालित रिटेल सिस्टम का प्रदर्शन

मुंबई, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग ने गुरुग्राम के 'टू होराइजन सेंटर' में स्थित अपने व्यावसायिक अनुभव स्टूडियो में एआई-पावर्ड, कनेक्टेड एंटरप्राइज सॉल्यूशंस के ज़रिए फिजिकल वातावरण के भविष्य के लिए अपना विज़न पेश किया। रिटेल और बैंकिंग वातावरण तक फैला सैमसंग का इंटीग्रेटेड इकोसिस्टम, कस्टमर-फेसिंग जगहों को इंटेलिजेंट, अडैप्टिव और अनुभव-आधारित प्लेटफॉर्म में बदलने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इस विज़न के एक हिस्से के तौर पर, सैमसंग ने अपना अगली पीढ़ी का स्थानिक साइनेज पेश किया - जो बिना चश्मे के 3डी डिजिटल डिस्प्ले हैं; यह हाई-इम्पैक्ट वाले कमर्शियल माहौल में इमर्सिव एंगेजमेंट की दिशा में एक अहम कदम है। सैमसंग स्थानिक साइनेज, 2डी विज़ुअल्स की स्पष्टता को प्राकृतिक, जीवंत गहराई के साथ जोड़ता है - और इसके लिए 3डी चश्मे की ज़रूरत भी नहीं पड़ती। पेटेंटेड 3डी प्लेट टेक्नोलॉजी पर आधारित यह डिस्प्ले, एलसीडी पैनल के पीछे एक स्थानिक गहराई बनाता है; जिससे कंटेंट ऐसा लगता है मानो वह स्क्रीन से बाहर निकलकर आ रहा हो, और साथ ही उसकी स्पष्टता और विज़ुअल क्वालिटी भी बनी रहती है।

9:16 फ़ॉर्मेट में 4के यूएचडी रिज़ॉल्यूशन दिया गया है, जिससे 360-डिग्री घूमने वाले विज़ुअल्स दिखाए जा सकते हैं और प्रोडक्ट की कहानी को ज़्यादा बेहतर तरीके से बताया जा सकता है। सैमसंग और क्वांटम प्रोसेसर से लैस यह डिस्प्ले 4के अपस्केलिंग, 16-बिट कलर मैपिंग और डायनामिक एचडीआर रिफ़ाइनमेंट देता है; साथ ही, इसमें एक एंटी-ग्लेयर पैनल भी है, जो ज़्यादा भीड़-भाड़ वाली जगहों पर भी लगातार साफ़ विज़ुअल्स दिखाता है। पुनीत सेठी, वाइस प्रेसिडेंट, एंटरप्राइज बिज़नेस, सैमसंग इंडिया ने कहा, वास्तविक दुनिया में इस्तेमाल के लिए डिज़ाइन किए गए।

● भारत की क्रिएटर इकॉनमी ने संगीत जगत में सबसे विश्वसनीय कदम रखा

समर्या क्रिएशन ने लॉन्च किया औमोरा म्यूज़िक

भोपाल, एजेंसी। भारत की क्रिएटर इकॉनमी ने संगीत जगत में सबसे विश्वसनीय कदम रखा। देश की पहली इंटीग्रेटेड क्रिएटर-फर्स्ट कंपनी समर्या क्रिएशन ने आज मुंबई के द क्लब, अंधेरी वेस्ट में औमोरा म्यूज़िक के आधिकारिक लॉन्च की घोषणा की - और इसके संस्थापक पार्टनर हैं गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्डधारी गीतकार सामेर अंजान।

यह महज़ एक म्यूज़िक लेबल नहीं है। यह उस सोच का जवाब है जो आज तक भारतीय संगीत में गायब थी - जहाँ एल्गोरिदम नहीं, कलाकार तय करेगा कि संगीत कैसा हो।

चार दशकों में 640 से ज़्यादा हिंदी फिल्मों के लिए 4,000 से अधिक गाने लिखने वाले सामेर अंजान यहाँ ब्रांड एंबेसेडर नहीं, बल्कि निर्माता हैं। औमोरा म्यूज़िक पहले से ही 150+ प्लेटफॉर्म्स पर 19 ट्रैक्स के साथ लाइव है, 150+

ओरिजिनल कम्पोज़िशन रिलीज़ के लिए तैयार हैं - बॉलीवुड, भक्ति, लोक, बाल संगीत, रैप और कंटेम्पोरेरी पॉप सभी जॉनर में।

सामेर अंजान, संस्थापक, औमोरा म्यूज़िक ने कहा, मैंने 4,500 गाने लिखे हैं। मैं जानता हूँ क्या टिकता है और क्या अगली सुबह भूल जाता है। औमोरा म्यूज़िक उन कलाकारों का घर है जिनके पास कहने के लिए कुछ असली है।

लेबल के क्रिएटिव इंजन हैं कम्पोज़र नील गांधी (पूर्व एमबीबीएस डॉक्टर) और निरज विश्वकर्मा (कंप्यूटर साइंस से संगीत तक का सफर) - दो ऐसे नाम जो परंपरा को तोड़कर यहाँ पहुँचे हैं।

लेबल का पहला मार्की आर्टिस्ट है जैक्सेलजे असली नाम अजय - एक रैपर जो कभी ज़ोमैटो डिलीवरी बॉय था, जिसने स्वतंत्र रूप से 22 गाने बनाए, सब सामाजिक सच्चाइयों पर। अब वो सामेर अंजान की मेंटॉरशिप में एक पूरी क्रिएटर यूनिवर्स के साथ आगे बढ़ेगा।

एक्शन में भारत, एलपीजी-पीएनजी पर ईरानी राजदूत को किया तलब

● इस बीच भारत सरकार तैयारियों में जुटी है

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक हालात तेजी से बदल रहे हैं। इस बीच भारत सरकार तैयारियों में जुटी है। वह चाहती है कि हर हाल में ऊर्जा सप्लाई की स्थिति को काबू में रखा जाए। एलपीजी, पीएनजी से लेकर लोगों को स्थितियों के बारे में हर एक जानकारी देने पर उसका फोकस बना हुआ है। उसने रविवार को भी पूरे हालात का जायजा दिया है। उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी। अपडेट देते हुए उसने बताया घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की बुकिंग के मुकाबले डिलीवरी सामान्य बनी हुई है। शनिवार को 53.5 लाख से ज्यादा घरेलू एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी की गई। 39,000 से ज्यादा पीएनजी उपभोक्ताओं ने अपने एलपीजी

कनेक्शन सरेंडर कर दिए हैं। भारतीय ध्वज वाला क्रूड ऑयल टैंकर 'देश गरिमा' बीते रोज 31 भारतीय नाविकों के साथ सुरक्षित रूप से होर्मुज स्ट्रेट से गुजर गया। इसके 22 अप्रैल 2026 को मुंबई पहुंचने की उम्मीद है। वहीं, ईरान के राजदूत को तलब किया गया। भारत ने होर्मुज में भारतीय जहाजों से जुड़ी गोलीबारी की घटना पर गहरी चिंता जताई। मौजूदा भू-राजनीतिक हालात के बावजूद सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि घरेलू एलपीजी, घरेलू पीएनजी और सीएनजी (परिवहन) की 100 प्रतिशत सप्लाई बनी रहे।

कमर्शियल एलपीजी के लिए अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थानों को प्राथमिकता दी गई है। इसके अलावा, फार्मा, स्टील, ऑटोमोबाइल, बीज, कृषि आदि सेक्टरों को भी प्रायोरिटी में रखा गया है। प्रवासी मजदूरों को 5 किलो एफटीएल की सप्लाई भी 2 और 3 मार्च 2026 की औसत दैनिक सप्लाई के आधार पर दोगुनी कर दी गई है। पक्षों पर पहले ही कई उपाय लागू कर दिए हैं। इनमें रिफाइनरी उत्पादन बढ़ाना, शहरी क्षेत्रों में बुकिंग का अंतराल 21 से बढ़ाकर 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन तक करना और सप्लाई के लिए अलग-अलग सेक्टरों को प्राथमिकता देना शामिल है।

एरिक्सन की धमाकेदार ग्रोथ! 29 प्रतिशत उछलकर 4,228 करोड़ पहुंचा रेवेन्यू

नई दिल्ली, एजेंसी। स्वीडिश टेलीकॉम कंपनी एरिक्सन ने भारत में शानदार प्रदर्शन करते हुए जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में 29 प्रतिशत की ग्रोथ के साथ 4,228 करोड़ का रेवेन्यू दर्ज किया। 5ज़ रोलआउट और नेटवर्क अपग्रेड की वजह से भारत कंपनी के लिए बड़ा ग्रोथ ड्राइवर बनकर उभरा है। स्वीडन की टेलीकॉम उपकरण बनाने वाली कंपनी एरिक्सन के लिए भारत का बाजार तेजी से अहम होता जा रहा है। कंपनी के ताजा नतीजों के मुताबिक, जनवरी-मार्च 2026 तिमाही में इंडिया में उसका रेवेन्यू करीब 29 प्रतिशत बढ़कर 4,228 करोड़ पहुंच गया है। पिछले साल इसी तिमाही में कंपनी की कमाई करीब 3,272 करोड़ थी। यह बढ़ोतरी दिखाती है कि भारत में टेलीकॉम सेक्टर में तेजी और 5ज़ विस्तार का सीधा फायदा एरिक्सन को मिल रहा है। कंपनी के ग्लोबल बिजनेस में भी भारत की हिस्सेदारी लगातार बढ़ रही है। मार्च तिमाही में एरिक्सन की कुल कमाई में भारत का योगदान करीब 8 प्रतिशत रहा, जो पिछले साल 7 प्रतिशत था, यानी भारत अब कंपनी के लिए दूसरा सबसे बड़ा बाजार बन चुका है। इस ग्रोथ के पीछे सबसे बड़ा कारण नेटवर्क मॉडर्नाइजेशन और 5ज़ रोलआउट है। भारत समेत यूरोप, मिडिल ईस्ट और अफ्रीका में टेलीकॉम कंपनियां तेजी से अपने नेटवर्क को अपग्रेड कर रही हैं, जिससे एरिक्सन जैसे उपकरण सप्लायर की मांग बढ़ रही है। खासकर भारत में बड़े टेलीकॉम ऑपरेटर्स द्वारा 5ज़ नेटवर्क के विस्तार ने कंपनी की डिलीवरी और ऑर्डर को बढ़ावा दिया है। हालांकि, कंपनी के सामने कुछ चुनौतियां भी हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती मांग के कारण सेमीकंडक्टर की कीमतें बढ़ रही हैं, जिससे लागत पर दबाव पड़ रहा है।

● बेहतर एयरफ्लो और विश्वसनीय प्रदर्शन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

ऊषा ने नई एयर किंग रेंज और अपडेटेड मैक्स एयर अल्ट्रा सीरीज़ के साथ अपने एयर कूलर पोर्टफोलियो का विस्तार किया

मुंबई, एजेंसी। भारत के अग्रणी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स ब्रांड्स में से एक, ऊषा इंटरनेशनल ने नए एयर कूलर लॉन्च कर अपने पोर्टफोलियो का विस्तार किया है। इस नई रेंज में एयर किंग 100 एल, एयर किंग 120 एल (3-साइड हनीकॉम्ब), और एयर किंग प्लस 120/150 एल जैसे तीन वेरिएंट शामिल हैं, जिन्हें बड़े इनडोर और अर्ध-आउटडोर क्षेत्रों में शक्तिशाली कूलिंग, बेहतर एयरफ्लो और विश्वसनीय प्रदर्शन प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है। इसके साथ ही, कंपनी ने भारतीय घरों के लिए अपने कूलिंग समाधानों को और मजबूत करते हुए मैक्स एयर अल्ट्रा सीरीज़ का एक नया संस्करण भी पेश किया है, जो 70 एल, 95 एल और 120 एल वेरिएंट में उपलब्ध है।

देश भर में बढ़ते तापमान को ध्यान में रखते हुए, यह नई रेंज कुशल और टिकाऊ कूलिंग प्रदान करती है। एयर किंग रेंज और अपडेटेडमैक्स एयर अल्ट्रा मॉडल, दोनों में बेहतर कूलिंग दक्षता के लिए इको-कूल हनीकॉम्ब पैड्स, ऑटो-रिसेटेबल थर्मल ओवरलोड प्रोटेक्शन वाले बॉल बेयरिंग फैन मोटर्स और खारे या अशुद्ध पानी में भी प्रभावी ढंग से काम करने वाले टिकाऊ कंसील्ड पंप

दिए गए हैं। उच्च-श्रेणी की मजबूत बॉडी के साथ निर्मित ये कूलर लंबे समय तक उपयोग के लिए स्थिरता सुनिश्चित करते हैं। सुविधा के लिए, इस रेंज में श्री-स्पीड एयरफ्लो कंट्रोल, वॉटर लेवल इंडिकेटर और आसान आवाजाही के लिए कैस्टर व्हील्स दिए गए हैं।

विशिष्टताओं की बात करें तो, एयर किंग 100रु मॉडल 280वाट बिजली की खपत पर 3200 सीएमएच तक की एयरफ्लो क्षमता और 22 मीटर तक एयर थ्रो वाला जंग-मुक्त एल्यूमीनियम एग्जॉस्ट फैन प्रदान करता है। इसमें तेजी से कूलिंग के लिए 4-वे एयर डिफ्लेक्शन सिस्टम और एक एडजस्टेबल वॉटर फ्लो सिस्टम दिया गया है, जो उच्च आर्द्रता वाले वातावरण में बेहतर संतुलन बनाए रखने में मदद करता है। इसके अतिरिक्त, इसमें पानी निकालने के लिए ऑटो-ड्रेन फंक्शन और टैंक भरने के लिए डायरेक्ट वॉटर इनलेट की सुविधा भी दी गई है। वहीं एयर किंग 120रु मॉडल 265वाट पर संचालित होता है, जो प्लास्टिक एग्जॉस्ट फैन ब्लेड के माध्यम से 20 मीटर तक एयर थ्रो देता है और इसमें बेहतर नियंत्रण के लिए डुअल वॉटर इनलेट और कोलेप्सिबल हॉरिजॉन्टल लूवर्स दिए गए हैं।

उच्च क्षमता वाली कूलिंग चाहने वाले उपभोक्ताओं के लिए एयर किंग प्लस 120एल/150एल मॉडल 410वाट पर 6500 सीएमएच तक का भारी एयरफ्लो और 22 मीटर तक का एयर थ्रो प्रदान करता है।

पाकिस्तान से श्रीलंका तक पेट्रोल की कीमतों में लगी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। कच्चे तेल की कीमतों ने एक बार फिर से आग पकड़ ली है। ब्रेंट क्रूड में 5.51 डॉलर प्रति बैरल की उछाल दर्ज की जा रही है और यह 95.89 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है। क्योंकि, ईरान ने अमेरिका के साथ दूसरे राउंड की वार्ता से इनकार कर दिया है। इस बीच भारत की सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने भी पेट्रोल-डीजल के रेट जारी कर दी हैं। दिल्ली में आज भी पेट्रोल 94.77 रुपये और डीजल 87.67 रुपये लीटर है। भारत के पड़ोसी देशों की बात करें तो बंग्लादेश में भी पेट्रोल 90.95 रुपये लीटर है। जबकि, म्यांमार में 146.82 रुपये। भूटान में पेट्रोल 97.88 रुपये लीटर पर पहुंच गया है। पाकिस्तान में 122.42 और चीन में 130.11 रुपये लीटर है। श्रीलंका में 1 लीटर पेट्रोल की कीमत134.38 रुपये पर पहुंच गई है। नेपाल में पेट्रोल की कीमतें आसमान छू रही हैं।

निप्पॉन पेंट इंडिया ने एक उच्च निष्पादन की प्रीमियम ऑटो-कार रेंज एफएक्स10 लांच की

नई दिल्ली, एजेंसी। निप्सी ग्रुप का हिस्सा- जापान की निप्पॉन पेंट होल्डिंग्स की अनुषंगी और एशिया प्रशांत की नंबर 1 पेंट एवं कोटिंग विनिर्माता कंपनी निप्पॉन पेंट इंडिया ने अपने वाहनों के रखरखाव में गर्व करने वाले विवेकी वाहन मालिकों के लिए डिजाइन की गई एक उच्च निष्पादन ऑटोमोटिव केयर रेंज एफएक्स10लांच करने की आज घोषणा की। यह लांचिंग ऑटोमोटिव आफ्टरकेयर वर्ग में निप्पॉन पेंट इंडिया की उपस्थिति बढ़ाने में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी की योजना एफएक्स10 रेंज को चरणबद्ध तरीके से चुनिंदा वैश्विक बाजारों में भी ले जाने की है जिसमें ऑटो-केयर सेगमेंट में इसके विस्तार के लिए भारत के प्रमुख लांचपैड के तौर पर काम करेगा।

एफएक्स10 प्रोफेशनल डिटेलिंग और डू-इट-योरसेल्फ के बीच एक सेतु का काम करने को तैयार है जिससे उपभोक्ता न्यूनतम प्रयास में एक बेदाग, शोरूम जैसी फिनिश हासिल करने में समर्थ होंगे। इस पोर्टफोलियो को उन उपभोक्ताओं के लिए तैयार किया गया है जो इस्तेमाल में आसान ऐसे सॉल्यूशंस के साथ अपनी कार की देखभाल पर स्वयं नियंत्रण रखना पसंद करते हैं जो दिखाई देने वाला परिवर्तन प्रदान करे। भारत के सबसे तेजी से बढ़ रहे उपभोक्ता खंडों में से एक को ध्यान में रखकर पेश यह रेंज विशेष रूप से डिजिटल चैनलों- इस ब्रांड की अपनी वेबसाइट और फ्लिपकार्ड के जरिए वितरित की जाएगी। संयोग से यह लांचिंग ऐसे समय में की गई है जब यह कंपनी भारत में परिचालन की 15वीं वर्षगांठ मना रही है।

इस लांचिंग की घोषणा करते हुए निप्पॉन पेंट इंडिया के उपाध्यक्ष (ऑटोमोटिव रीफिनिश) श्री जेनेन्दर आनन्दने कहा, एफएक्स10 के साथ हम सीधे उपभोक्ताओं के हाथ में पेशेवर ग्रेड के परिणाम सौंप कर परंपरागत कार केयर से परे जा रहे हैं। आज, कार के मालिक महज अपने वाहनों का रखरखाव नहीं करते, बल्कि वे उसमें गर्व करते हैं। एफएक्स10में हर बार एक दिखाई देने वाला परिवर्तन उपलब्ध कराने के लिए इस्तेमाल में आसान फॉर्मुलेशन के साथ जापानी परिशुद्धता का मेल है जिससे बिना समझौते और प्रयास के कार की देखभाल करना आसान हो जाता है। एफएक्स10 पोर्टफोलियो बाहरी और आंतरिक कार केयर उत्पादों की एक समग्र रेंज की पेशकश करता है जिसमें तुरंत अप्लाई वाले फॉर्मुलेशन से लेकर एडवांस्ड सरफेस टेक्नोलॉजीज़ और पर्यावरण अनुकूल सॉल्यूशंस तक 18 उत्पाद शामिल हैं। इस रेंज में हाइड्रोफोबिक बाहरी कोटिंग्स, वाटर-सेविंग एवं वाटरलेस वाश सॉल्यूशंस, इंटीरियर प्रोटेक्टेंट्स और सरफेस रिस्टोरेशन फॉर्मूलेशंस तक शामिल हैं और ये सभी लैब में जांचे परखे और पर्यावरण के अनुरूप हैं।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं

टिया बाजपेयी

अभिनेत्री टिया बाजपेयी अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बना रही हैं। टिया बाजपेयी फ्रांस के मोनाको शहर में अपनी हॉलीवुड परियोजना की शूटिंग कर रही हैं। फिलहाल वह लोकेशन पर हैं और ओमिद रोमल के निर्देशन में शूटिंग कर रही हैं, जो उनके बढ़ते करियर में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। अपनी बहुमुखी प्रतिभा और स्क्रीन प्रेज़ेंस के लिए जानी जाने वाली टिया इस नए अध्याय को पूरे उत्साह और दृढ़ता के साथ अपना रही हैं। यह फिल्म, जिसमें एक विविध अंतरराष्ट्रीय टीम शामिल है, उन्हें एक नए सिनेमाई अनुभव को एक्सप्लोर करने और वैश्विक दर्शकों से जुड़ने का अवसर दे रही है। मोनाको के खूबसूरत नज़ारों से लेकर अंतरराष्ट्रीय प्रोडक्शन की अनुशासित कार्यशैली तक, टिया पूरी तरह इस अनुभव में डूबी हुई हैं। सेट पर, वह सिर्फ अपने प्रदर्शन के लिए ही नहीं बल्कि अपनी प्रोफेशनलिज़्म और अनुकूलन क्षमता के लिए भी ध्यान आकर्षित कर रही हैं। हॉलीवुड प्रोजेक्ट में कदम रखना अपने आप में चुनौतियों भरा होता है, लेकिन टिया इसे बेहद सहजता से संभालती नजर आ रही हैं और अपने विकास व उत्कृष्टता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखा रही हैं। अपने अनुभव के बारे में बात करते हुए टिया ने कहा कि मोनाको में शूटिंग करना किसी सपने जैसा लगता है।

बेटी नीसा के जन्मदिन पर काजोल और अजय देवगन ने लुटाया प्यार

बॉलीवुड अभिनेत्री काजोल और अभिनेता अजय देवगन अपनी प्यारी बेटी नीसा देवगन पर प्यार बरसाने का मौका नहीं छोड़ते हैं और जन्मदिन के मौके पर दोनों ने दिल खोलकर लुटाया है। काजोल और अजय ने बेटी नीसा को खास अंदाज में जन्मदिन की बधाई दी है। अजय देवगन ने नीसा देवगन की अनसीन बचपन की फोटो शेयर की है, जिसमें वे किसी बर्थडे पार्टी में दिख रही है और उनके चेहरे पर बहुत प्यारी स्माइल है,जबकि दूसरी फोटो में वे अपनी मां काजोल के साथ दिख रही हैं। फोटो देखकर यह कहना गलत नहीं होगा कि नीसा के फेस फीचर्स अपनी मां काजोल जैसे ही हैं। नीसा अपनी मां की कार्बन कॉपी लग रही हैं। अजय देवगन ने प्यारी फोटो के साथ प्यारा सा कैप्शन भी लिखा है। उन्होंने लिखा, 'तुम्हारी ये मुस्कान मुझे हमेशा याद रहती है। जब भी मैं तुम्हें देखता हूं, तो तुम्हारा वही रूप हमेशा मेरे दिलों में बसा रहता है। तुम हमेशा इसी खुशी से मुस्कुराती रहो। जन्मदिन मुबारक हो मेरी प्यारी बच्ची। 'काजोल ने भी नीसा को जन्मदिन की बधाई दी है और दुर्गा पंडाल की फोटोज पोस्ट की हैं। फोटो में काजोल ने नीसा को अपनी बांहों में ले रखा है और उन पर प्यार लुटाती दिख रही हैं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, 'मैं बहुत भाग्यशाली हूं क्योंकि उसके जन्म से मेरी दुनिया बदल गई। मैं हर दिन भगवान का शुक्रिया अदा करती हूं, मेरी प्यारी बच्ची, तुम परिपूर्ण हो और हमेशा मेरी रहोगी। तुम्हें और मुझे जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं। ' पोस्ट में काजोल ने नीसा के साथ खुद को भी जन्मदिन की बधाई दी है, क्योंकि बच्चे के जन्म के साथ मां का भी नया जन्म भी माना जाता है।

कृतिका कामरा और विजय वर्मा के बीच आपसी सम्मान, 'मटका किंग' को मिल रही तारीफ

वेबसीरीज़ मटका के मुख्य कलाकार विजय वर्मा और कृतिका कामरा भी एक-दूसरे के काम के प्रति अपने सम्मान के लिए चर्चा में हैं। मटका किंग हाल ही में अमेजन प्राइम वीडियो पर रिलीज हुई है, जो दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स पा रही है। हाल ही में एक इंटरव्यू में कृतिका ने विजय के एक्टिंग अप्रोच की तारीफ की। उन्होंने कहा कि विजय हमेशा सीन को प्राथमिकता देते हैं, न कि खुद को। उन्होंने कहा कि विजय बहुत ही शार्प एक्टर हैं और वह हमेशा सीन के लिए काम करते हैं, अपने लिए नहीं। मुझे लगता है यह उनकी ट्रेनिंग, जिज्ञासा और देने वाले स्वभाव से आता है। उन्होंने कहा कि उनके साथ काम करना आसान और क्रिएटिव तौर पर बहुत संतोषजनक है। शो के प्रोमोशन के दौरान विजय ने भी कृतिका की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि कृतिका हर टेक में कुछ नया लेकर आती हैं और एक को-एक्टर के तौर पर उन्हें लगातार चुनौती देती हैं। उनके मुताबिक, यही अनप्रिडिक्टेबिलिटी और कमिटमेंट उन्हें उनके साथ काम करने वाले पसंदीदा एक्टर्स में शामिल करता है, क्योंकि इससे हर सीन की एनर्जी बनी रहती है। उनकी इस साझेदारी की खास बात यह है कि दोनों का एक ही लक्ष्य है, कहानी को सबसे बेहतर तरीके से पेश करना। दोनों एक-दूसरे की ताकत से प्रेरित होते हैं और अपने परफॉर्मेंस में नई परतें जोड़ते रहते हैं।उनके बीच का रिश्ता भरोसे, सम्मान और एक्टिंग के प्रति सच्ची समझ पर टिका है। जैसे-जैसे मटका किंग दर्शकों तक पहुंच रही है, उनकी यह ऑफ-स्क्रीन बॉन्डिंग ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री में भी साफ नजर आ रही है।

दूसरी बार पिता बने एटली, बेटी के जन्म पर अनन्या पांडे-काजल अग्रवाल समेत तमाम सेलेब्स ने दी बधाई

फिल्ममेकर एटली और उनकी पत्नी कृष्णा प्रिया के घर एक बार फिर खुशियों ने दस्तक दी है। दरअसल, उनके परिवार में एक नन्ही परी का जन्म हुआ है। इस खुशखबरी को एटली और प्रिया ने अनोखे अंदाज में साझा किया, जिसने सभी का दिल जीत लिया। इस खबर के बाद से फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ गई है। कपल ने इंस्टाग्राम पर इस खुशखबरी को साझा करते हुए एक पोस्टर साझा किया, जिसमें एक बच्चा टॉय कार के ऊपर बैठा नजर आ रहा है। इस पोस्टर पर लिखा है, ''ये हुई ना बात, मुझे एक छोटी बहन मिल गई है! बड़ा भाई मीर।'' इस पोस्ट के बाद सोशल मीडिया पर बधाइयों का तांता लग गया और फैंस के साथ-साथ फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कई सितारों ने भी उन्हें दिल खोलकर प्रतिक्रिया दी।एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने एटली और प्रिया को ढेर सारी बधाइयां दीं और कमेंट में लिखा, ''बहुत बहुत बधाइयां''काजल अग्रवाल ने लिखा, ''माता-पिता, दादा-दादी और सबसे बढ़कर मीर को ढेर सारा प्यार और शुभकामनाएं।''वहीं सामंथा रुथ प्रभु, निशा अग्रवाल और हुमा कुरैशी ने कमेंट में 'कांग्रेचुलेशन' लिखा, जबकि रश्मिका मंदाना ने हार्ट इमोजी के जरिए अपनी खुशी जाहिर की एटली और कृष्णा प्रिया की यह दूसरी संतान है। इससे पहले दोनों के घर बेटा मीर का जन्म हुआ था और अब बेटी के आने से उनका परिवार और भी खुशहाल हो गया है।

बॉलीवुड की लेडी धुरंधर, ये हैं टॉप फीमेल डायरेक्टर, जिन्होंने दी एक से बढ़कर एक धांसू फिल्म

संजय लीला भंसाली, सुभाष घई, राजकुमार हिरानी, रोहित शेट्टी, यश चोपड़ा और अनुराग कश्यप जैसे ढेरों मेल निर्देशक हैं, जिन्होंने बॉलीवुड में एक से बढ़कर एक कल्ट क्लासिक फिल्में दी। लेकिन हिंदी सिनेमा की फीमेल डायरेक्टर्स के बारे में बहुत कम ही लोग जानते होंगे। उन्होंने ऐसी हिट फिल्में दी हैं, जिसके लिए उन्हें लेडी धुरंधर भी कहना गलत नहीं होगा। हिंदी सिनेमा की उन लेडी धुरंधर के बारे में, जिन्होंने इंडस्ट्री में कई हिट्स दी हैं। डायरेक्टर मेघना गुलजार ने अपने करियर में ढेरों फिल्में दी है. बतौर डायरेक्टर मेघना ने इंडस्ट्री को कल्ट फिल्में दी है, जिसे लोग आज भी याद करते हैं। उनकी लिस्ट में 'छपाक', 'सैम बहादुर', 'राजी' और 'तलवार' जैसी बेहतरीन फिल्में बनाई। इन मूवीज ने बॉक्स ऑफिस पर कमाल का प्रदर्शन किया। जोया अख्तर बॉलीवुड की बेहतरीन डायरेक्टर्स में से एक हैं. उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं. जोया ने 'लक बाय चांस' (2009), 'जिंदगी ना मिलेगी दोबारा' (2011), दिल धड़कने दो (2015), गली बॉय (2019), और द आर्चीज (2023) जैसे फिल्में दी. उन्होंने थियेटर से लेकर ओटीटी तक अपना दम दिखाया और दर्शकों को बेहतरीन एंटरटेनर फिल्में दी। आमिर खान की एक्स वाइफ किरण राव ने बतौर निर्माता ढेरों फिल्में हिट दी। उन्होंने 'दंगल' को प्रोड्यूस किया और इसका रिकॉर्ड अब तक कोई नहीं तोड़ पाया। वहीं, किरण राव ने बतौर डायरेक्टर 'लापता लेडीज' जैसी हिट फिल्म दी। इसे नेटफ्लिक्स पर रिलीज किया गया था. इसे ऑस्कर्स तक के लिए नॉमिनेशन मिला था. हालांकि, ये बेस्ट फिल्म की कैटेगरी से बाहर हो गई थी। डायरेक्टर रीमा कागती को 'तलाश' (2012), 'गोल्ड' (2018), 'गली बॉय' (2019) और 'मेड इन हेवन' (2019-2023) जैसी फिल्मों और सीरीज के लिए जाना जाता है. वहीं, दहाड़ (2023) और खो गए हम कहां (2023) जैसी फिल्मों को ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर रिलीज किया गया, जिस पर दर्शकों ने खूब प्यार लुटाया।डायरेक्टर अश्विनी अय्यर तिवारी का नाम भी इस लिस्ट में शामिल है. उन्होंने 'नील बटे सन्नाटा' (2015), 'बरेली की बर्फी' (2017) और 'पंगा' (2020) जैसी फिल्में दी. 'बरेली की बर्फी' (2017) और 'पंगा' (2020) को इंडस्ट्री की बेहतरीन फिल्मों में गिना जाता है. फराह खान ने एक से बढ़कर एक फिल्में दी है. उन्होंने 'मैं हूं ना' (2004), 'ओम शांति ओम' (2007), 'तीस मार खां' (2010) और हैप्पी न्यू ईयर (2014) जैसी फिल्में दी. इन मूवीज को लोगों ने काफी पसंद किया और बॉक्स ऑफिस पर भी शानदार परफॉर्म किया। नंदिता दास एक बेहतरीन अदाकारा के अलावा डायरेक्टर भी हैं, जिन्होंने 10 से ज्यादा भाषाओं में 40 से ज्यादा फिल्मों में अभिनय किया है। उन्होंने 'फिराक' (2008), 'मंटो' (2018) और 'ज़्विगाटो' (2022) जैसी मूवीज का निर्देशन किया है। नंदिता को 'मंटो' जैसी फिल्म के लिए याद किया जाता है।

(साभार एजेंसी)

वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका ने कराया फोटोशूट

न्यूयॉर्क/मिंस्क (एजेंसी)। टेनिस कोर्ट पर अपनी चीखों और विरोधी को चीरते बेसलाइन शॉट्स के लिए मशहूर वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना सबालेंका इन दिनों एक अलग ही अवतार में नजर आ रही हैं। हाल ही में 'एस्क्वायर' मैगजीन की कवर स्टार बनीं बेलारूस की सबालेंका ने बेहद ग्लैमरस फोटोशूट कराया है। नीले रंग के विशालकाय फर कोट और हाई हील्स में उनकी तस्वीरें काफी वायरल हो रही हैं। इस दौरान दिए इंटरव्यू में 27 साल की सबालेंका ने खुद को दोहरी शख्सियत वाली इंसान बताया। उन्होंने कहा, 'कोर्ट पर मैं बहुत आक्रामक और भावुक होती हूं। यह मेरे खेल की जरूरत है, लेकिन कोर्ट से बाहर मैं बिल्कुल अलग इंसान हूं, जो शांत है, जिसे गले मिलना पसंद है और जो शांति की तलाश में है।' जब उनसे पूछा गया कि अगर वह टेनिस खिलाड़ी नहीं होतीं तो क्या करतीं? इस पर सबालेंका कहा, 'शायद बॉक्सिंग या फिर मॉडलिंग। शायद प्लस-साइज मॉडल! मैं उसमें बहुत अच्छी होती। मुझे अपनी आक्रामकता निकालने के लिए जीवन के अंत तक कुछ न कुछ ऐसा करना होगा जिसमें बहुत ऊर्जा लगे।'सबालेंका की इस फाइटिंग स्पिरिट के पीछे पिता सर्गेई का हाथ है, जो खुद एक पेशेवर हॉकी खिलाड़ी थे। साल 2019 में मात्र 43 साल की उम्र में मेनिन्जाइटिस के कारण उनका अचानक निधन हो गया था। सबालेंका ने कहा, 'मेरे पिता ने मुझे सिखाया कि चाहे कुछ भी हो जाए, मजबूत रहना है, सकारात्मक रहना है और जीवन में मस्ती करना नहीं छोड़ना है। जब मैंने उन्हें खोया, तब टेनिस ने ही मुझे बचाया। अगर टेनिस नहीं होता, तो पता नहीं आज मैं कहां होती।'सबालेंका के अनुसार, दुख से उबरने का सबसे अच्छा तरीका है खुद को काम में झोंक देना, लेकिन साथ ही रोना और अपनी भावनाओं को बाहर निकालना भी जरूरी है। इंटरव्यू में सबालेंका ने 2022 के उस दौर का भी जिक्र किया, जब वे सर्विस करना भूल गई ?थी। उन्होंने इसे एक बुरा सपना बताया।

हार के बाद मैदान पर फूट-फूटकर रोए वैभव सूर्यवंशी, केकेआर खिलाड़ी ने दिया सहारा

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स और कोलकाता नाइट राइडर्स के बीच खेले गए मुकाबले के बाद एक भावुक दृश्य देखने को मिला। युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह हार के बाद मैदान पर बैठे रोते नजर आए। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए पहचाने जाने वाले वैभव इस हार से बेहद निराश दिखे।

मैदान पर बैठकर बहाए आंसू, साथी ने बढ़ाया हौसला

वायरल वीडियो में वैभव सूर्यवंशी अकेले मैदान पर बैठे दिखाई देते हैं, जहां वह अपनी टोपी से चेहरा छिपाते और आंसू पोंछते नजर आते हैं। तभी कोलकाता नाइट राइडर्स का एक खिलाड़ी उनके पास आता है और कंधे पर हाथ रखकर उन्हें संभालता है। यह भावुक पल दर्शाता है कि क्रिकेट सिर्फ प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि खेल भावना का भी प्रतीक है।

आखिरी ओवर में पलटा मैच का रुख

ईडन गार्डन्स में खेले गए इस मुकाबले में मैच का रुख आखिरी पलों में पूरी तरह बदल गया। कोलकाता नाइट राइडर्स एक समय 85 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन रिंकू सिंह और अनुकूल रॉय ने शानदार साझेदारी कर मैच पलट दिया। दोनों ने मिलकर सातवें विकेट के लिए 76 रन जोड़ते हुए टीम को जीत दिलाई।रिंकू सिंह एक बार फिर अपने पुराने फिनिशर अवतार में नजर आए। आखिरी ओवर में 9 रन की जरूरत थी और उन्होंने लगातार चौके-छक्के लगाकर टीम को 4 विकेट से जीत दिला दी। उनकी नाबाद 53 रन की पारी ने मैच का पूरा समीकरण बदल दिया।इस मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स को लगातार दूसरी हार का सामना करना पड़ा। वहीं, कोलकाता नाइट राइडर्स ने इस जीत के साथ सीजन में अपनी पहली जीत दर्ज की और आत्मविश्वास हासिल किया।

पंजाब नेबेस्ट स्कोर बनाया, लखनऊ ने ओपनिंग कॉम्बिनेशन बदला; मोमेंट्स

मार्करम के ओवर में 5 छक्के लगे

लखनऊ (एजेंसी)। आईपीएल के 29वें मैच में पंजाब किंग्स ने लखनऊ सुपर जायंट्स को हरा दिया। मुल्लांपुर में बीपीकेएश ने 19वें सीजन का बेस्ट स्कोर बनाया। रूस्त ने ओपनिंग कॉम्बिनेशन बदला। वहीं ऐडन मार्करम ने एक ओवर में 32 रन खर्च कर दिए, उनके ओवर में प्रियांश आर्या और कूपर कोनोली ने 5 छक्के लगाए। पंजाब ने इस सीजन में 5वां मैच जीता। जबकि, लखनऊ लगातार तीसरा मैच हारी है। यह टीम की ओवरऑल चौथी हार है। पंजाब 11 अंक के साथ पॉइंट्स टेबल के टॉप पर कायम है। दूसरी ओर लखनऊ 8वें स्थान पर है।

पंत ने डीआरएस नहीं लिया, विकेट का मौका गंवाया

दूसरे ओवर में पंजाब के कूपर कोनोली एलबीडब्ल्यू होने से बच गए। मोहसिन खान की फुल लेंथ गेंद पर कोनोली फ्लिक करना चाहते थे, लेकिन चूक गए और गेंद उनके पैड्स से टकरा गई। एलबीडब्ल्यू की अपील हुई, लेकिन फील्ड अंपायर ने इसे नॉटआउट करार दिया।पंत ने काफी सोचने के बाद भी रिव्यू नहीं लिया। रिप्ले से पता चला कि बॉल लेग स्टंप पर लग रही थी, अगर वे रिव्यू ले लेते तो विकेट मिल जाता। कोनोली ने इसका फायदा उठाया और 87 रन की पारी खेल दी।

मार्करम ने 32 रन का ओवर फेंका

13वें ओवर में कूपर कोनोली ने ऐडन मार्करम के खिलाफ लगातार 3 छक्के लगाए। उन्होंने पहली, दूसरी और तीसरी बॉल पर छक्के लगाए। इसी ओवर में प्रियांश आर्या ने आखिरी दो बॉल पर लगातार दो छक्के मारे। मार्करम के इस ओवर में 32 रन बने।

मार्करम रूस्त के लिए एक ओवर में सबसे ज्यादा रन देने वाले बॉलर भी बन गए। उनसे पहले 2022 में रवि बिश्नोई ने ऋषक्के खिलाफ 27 रन खर्च किए थे। यह प्लेऑफ का एलिमिनेटर मुकाबला था, जो कोलकाता में खेला गया था।

प्रियांश-कोनोली ने बेस्ट पार्टनरशिप की

प्रियांश आर्या और कूपर कोनोली ने दूसरे विकेट के लिए 182 रन की पार्टनरशिप की। यह इस सीजन की बेस्ट पार्टनरशिप रही। इससे पहले मुंबई इंडियंस के रोहित शर्मा और रायन रिकेल्टन ने 148 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की थी। दोनों ने कोलकाता के खिलाफ यह रन बनाए थे।

पंजाब ने सीजन का बेस्ट स्कोर

पंजाब किंग्स ने पहले बैटिंग करते हुए 254 रन बनाए। यह 19वें आईपीएल सीजन का बेस्ट स्कोर रहा। इससे पहले बेंगलुरु ने चेन्नई के खिलाफ 250 रन बनाए थे। आरसीबी की टीम मुंबई इंडियंस के खिलाफ भी 240 रन बना चुकी है। पीबीकेएस और आरसीबी इस समय पॉइंट्स टेबल की टॉप-2 टीमें हैं और दोनों ने ही पिछले सीजन का फाइनल खेला था।लखनऊ सुपरजायंट्स ने अपना ओपनिंग कॉम्बिनेशन बदल लिया। मिचेल मार्श के साथ ऐडन मार्करम की जगह आयुष बडोनी पारी की शुरुआत करने आए। टीम इससे पहले ऋषभ पंत से भी ओपन करा चुकी है। बडोनी 35 रन बनाकर आउट हुए, उन्होंने मार्श के साथ 61 रन की पार्टनरशिप की।

विराट और अनुष्का संत प्रेमानंद से मिलने पहुंचे, बाबा से यह पांचवीं मुलाकात

मथुरा (एजेंसी)। क्रिकेटर विराट कोहली और उनकी पत्नी अभिनेत्री अनुष्का शर्मा सोमवार को वृंदावन पहुंचे। दोनों ने अक्षय तृतीया पर्व पर अपने गुरु संत प्रेमानंद महाराज के दर्शन किए और उनका आशीर्वाद लिया। इस दौरान उन्होंने संत प्रेमानंद महाराज का सत्संग भी सुना।

दोनों ने आश्रम में निजी रूप से एकांतिक वार्तालाप भी किया। आश्रम द्वारा जारी वीडियो में विराट और अनुष्का भक्तों के बीच शांत भाव से बैठे नजर आए। दोनों ने बाबा के प्रवचन को ध्यानपूर्वक सुना।

विराट और अनुष्का महाराज जी की बातों को सुना-आश्रम में विराट और अनुष्का बेहद साधारण वेशभूषा और सादगी भरे अंदाज में नजर आए। किसी वीआईपी तामझाम के बिना दोनों ने आम श्रद्धालुओं की तरह जमीन पर बैठकर काफी देर तक महाराज जी के सत्संग को सुना। इस दौरान प्रेमानंद जी महाराज ने निर्मल मन और भक्ति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया- शुद्ध अंतःकरण ही ईश्वर प्राप्ति का एकमात्र मार्ग है।

जैसे ही विराट कोहली के वृंदावन पहुंचने की खबर शहर में फैली, उनके प्रशंसकों की भारी भीड़ आश्रम के बाहर जमा हो गई। अपने पसंदीदा खिलाड़ी और अभिनेत्री की एक झलक पाने के लिए लोग घंटों सड़कों पर इंतजार करते दिखे।

आईपीएल 2026 में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए खेल रहे विराट कोहली ने अपने व्यस्त शेड्यूल से समय निकालकर यह दौरा किया। हाल ही में उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 13 गेंदों में 19 रन बनाए थे। आगामी मैच गुजरात टाइटंस के खिलाफ होने से पहले मिले ब्रेक का उन्होंने आध्यात्मिक यात्रा के लिए उपयोग किया।

पांचवीं बार प्रेमानंद से मिलने पहुंचे विराट और अनुष्का-विराट और अनुष्का पांचवीं बार संत प्रेमानंद से मिलने पहुंचे है। इससे पहले फरवरी में बेटे अकाय के जन्मदिन के बाद भी दोनों यहां आए थे। साल 2025 में भी यह कपल तीन बार आश्रम पहुंचा था, जनवरी में बच्चों के साथ, मई में और फिर दिसंबर में।

एशियाई खेल और वेस्टइंडीज सीरीज के लिए बीसीसीआई का मास्टर प्लान तैयार

एक साथ खेलेंगी दो भारतीय टीमें

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड अब टी20 क्रिकेट के लिए 30-35 खिलाड़ियों का एक विशाल पूल तैयार कर रहा है। इसके पीछे मुख्य कारण इस साल के अंत में होने वाला शेड्यूलिंग ओवरलैप है। दरअसल, इस साल एशियाई खेल और भारत बनाम वेस्टइंडीज टी20 सीरीज एक ही समय पर होने वाली है। ऐसे में चयनकर्ता दो अलग-अलग प्रतिस्पर्धी टीमें तैयार कर रहे हैं ताकि भारत एक ही समय में दो अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट खेल सके। बोर्ड का मानना है कि ओलंपिक 2028 को ध्यान में रखते हुए अब टीम की गहराई और लचीलेपन को बढ़ाना अनिवार्य हो गया है।

इस बड़ी योजना की आधिकारिक शुरुआत जून 2026 में होने वाले आयरलैंड दौरे से होगी। आयरलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए बीसीसीआई एक बड़ा दल भेजेगा, जिसमें मुख्य खिलाड़ियों के साथ-साथ कई नए चेहरों को शामिल किया जाएगा। इस दौरे का उद्देश्य उन खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर परखना है जो एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। यह प्रयोग आगामी अफगानिस्तान सीरीज और अन्य महत्वपूर्ण टूर्नामेंटों के लिए एक मजबूत बैकअप तैयार करने में मदद करेगा।

इन युवा सितारों पर टिकी हैं सबकी नजरें

चयनकर्ता इस समय आईपीएल 2026 में धूम मचा रहे खिलाड़ियों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। बल्लेबाजी में वैभव सूर्यवंशी, यशस्वी जायसवाल, प्रियांश आर्य और अंगकृष रघुवंशी जैसे युवा खिलाड़ियों ने प्रभावित किया है। वहीं रजत पाटीदार और आयुष बदोनी भी अपनी दावेदारी मजबूत कर रहे हैं। ऑलराउंडर विभाग में शशांक सिंह और अनुकूल रॉय जैसे खिलाड़ी टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं। गेंदबाजी में रवि बिश्नोई, प्रसिद्ध कृष्णा, कार्तिक त्यागी और खलील अहमद जैसे नाम इस 35 सदस्यीय पूल का हिस्सा हो सकते हैं।

श्रेयस ने खोला राज

नईदिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स ने आईपीएल 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए लखनऊ सुपर ज्वाइंट्स को 54 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 254/7 का विशाल स्कोर खड़ा किया, जो इस सीजन का अब तक का सबसे बड़ा स्कोर है। इसके जवाब में रूस्त 200/5 ही बना सकी और मुकाबला एकतरफा हो गया।

इस जीत के हीरो रहे प्रयांस और कूपर , जिन्होंने दूसरे विकेट के लिए 182 रन की जबरदस्त साझेदारी की। दोनों बल्लेबाजों ने सिर्फ 13.2 ओवर में यह साझेदारी कर मैच का रुख पूरी तरह बदल दिया और विपक्षी टीम को दबाव में ला दिया।मैच के बाद कप्तान श्रेयस अय्यर ने कहा, जो शॉट्स मैंने देखे, वो सच में हैरान कर देने वाले थे। खासकर तेज गेंदबाजों को बैकफुट से सीधे मारना काफी हिम्मत का काम है। जिस तरह उन्होंने मिडिल ओवर्स में साझेदारी बनाई, वह शानदार था। उन्होंने दोनों बल्लेबाजों की तारीफ करते हुए उनकी बेखौफ बल्लेबाजी को टीम की सफलता की कुंजी बताया।

18 नेशनल कैंप के लिए 84 खिलाड़ियों का किया ऐलान, भोपाल में होगी तैयारी

भोपाल (एजेंसी)। हाकी इंडिया ने अंडर-18 नेशनल कोचिंग कैंप के लिए कुल 84 खिलाड़ियों (42 पुरुष और 42 महिला) की घोषणा की है। यह कैंप स्पोर्ट्स ऑथोरिटी आफ इंडिया (साई) भोपाल में आयोजित किया जाएगा। खिलाड़ियों का चयन हाल ही में हुए सब-जूनियर नेशनल चैंपियनशिप के प्रदर्शन के आधार पर किया गया है।

एशिया कप 2026 की तैयारी पर फोकस

यह कैंप जापान में होने वाले -18 एशिया कप 2026 की तैयारी के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। एक हफ्ते के मूल्यांकन के बाद 42-42 खिलाड़ियों की सूची को घटाकर 24-24 खिलाड़ियों तक किया जाएगा, जो आगे के ट्रेनिंग ब्लॉक का हिस्सा बनेंगे। यह प्रक्रिया अंतिम टीम चयन के लिए महत्वपूर्ण होगी।

ब्रॉक लेसनर का डब्ल्यूडब्ल्यूई करियर खत्म

लॉस वेगास (एजेंसी)। लॉस वेगास के एलीगेंट स्टेडियम में आयोजित रेसलमेनिया 42 एक ऐतिहासिक और भावुक पल का गवाह बना। रविवार की रात द बीस्ट ब्रॉक लेसनर ने उभरते हुए सितारे ओबा फेमी से मिली करारी हार के बाद पेशेवर रेसलिंग की दुनिया को अलविदा कह दिया है। वेगास की चकाचौंध के बीच ब्रॉक लेसनर और ओबा फेमी का मुकाबला किसी रोमांचक फिल्म से कम नहीं था। हालांकि, 48 साल के लेसनर पर फेमी की ताकत भारी पड़ी।

ओबा फेमी ने अपने फिनिशिंग मूव फॉल फ्रॉम ग्रेस का इस्तेमाल कर लेसनर को चित कर दिया और एक ऐसी जीत दर्ज की जिसने उन्हें डब्ल्यूडब्ल्यूई के नए भविष्य के रूप में स्थापित कर दिया। लेसनर की यह हार सिर्फ एक मैच का अंत नहीं, बल्कि उनके दो दशक से भी लंबे सुनहरे करियर का अंत लग रहा थी।

भावुक विदाई और पॉल हेमैन के साथ आखिरी पल

मैच खत्म होने के बाद पूरा स्टेडियम थैंक यू ब्रॉक के नारों से गूंज उठा। लेसनर काफी भावुक नजर आए। उन्होंने रेसलिंग की पुरानी परंपरा का पालन करते हुए अपने ग्लव्स और जूते रिंग के बीचों-बीच उतार दिए, जो इस बात का स्पष्ट संकेत था कि अब वे दोबारा रिंग में नहीं उतरेंगे। इसके बाद उन्होंने अपने लंबे समय के मैनेजर और दोस्त पॉल हेमैन को गले लगाया। रिंग से बाहर निकलने से पहले लेसनर ने घुटनों के बल बैठकर रिंग के कैनवास को चूमा, जिसे देखकर वहां मौजूद हजारों फैंस की आंखें नम हो गईं।

ब्रॉक लेसनर का करियर किसी भी एथलीट के लिए प्रेरणा है। साल 2002 में डेब्यू करने के बाद से वे डब्ल्यूडब्ल्यूई के सबसे बड़े आकर्षण रहे। उन्होंने न केवल रेसलिंग की दुनिया में कई वर्ल्ड चैंपियनशिप जीतीं, बल्कि यूएफसी हेवीवेट चैंपियन बनकर कॉम्बैट स्पोर्ट्स में भी अपना लोहा मनवाया। लेसनर ने रेसलमेनिया के कई मेन इवेंट्स को हेडलाइन किया और द अंडरटेकर की अजेय स्ट्रीक तोड़कर इतिहास रचा था। रविवार की रात को मिली उनकी हार को रेसलिंग की दुनिया में मशाल सौंपने के रूप में देखा जा रहा है।

क्या ये वाकई आखिरी विदाई है?

भले ही लेसनर ने रिटायरमेंट के सारे संकेत दे दिए हों, लेकिन रेसलिंग की दुनिया में कुछ भी निश्चित नहीं होता। कुछ रिपोर्ट्स में यह कयास लगाए जा रहे हैं कि साल के अंत में शायद वे एक आखिरी अपीयरेंस के लिए वापसी कर सकते हैं। हालांकि, फिलहाल के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूई और फैंस ने मान लिया है कि द बीस्ट ने अपनी आखिरी फाइट लड़ ली है। अब देखना यह होगा कि ओबा फेमी, लेसनर जैसे दिग्गज को हराकर मिली इस विरासत को आगे कैसे बढ़ाते हैं।

अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास ईरानी ध्वज वाले पोत पर कब्जा किया, ईरान ने दी चेतावनी

» वॉशिंगटन, भाषा।

अमेरिका ने रविवार को होर्मुज जलडमरूमध्य के पास उसकी नौसैनिक नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे ईरानी ध्वज वाले एक मालवाहक पोत पर हमला कर उसे अपने कब्जे में ले लिया जिसके बाद ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी है। ईरानी बंदरगाहों पर पिछले सप्ताह अमेरिकी नाकेबंदी शुरू होने के बाद से यह पहली घटना है जब पोत को रोका गया। ईरान के सरकारी प्रसारणकर्ता के अनुसार, ईरान के संयुक्त सैन्य कमान ने सशस्त्र पोत को रोके जाने की घटना को समुद्री डकैती और युद्धविराम का उल्लंघन बताया। जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच टकराव बढ़ गया है तथा बुधवार को मौजूदा युद्धविराम की अवधि समाप्त होने वाली है। ऐसे में यह स्पष्ट नहीं है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की पहले की गई इस घोषणा का अब कोई औचित्य है या नहीं कि अमेरिकी वार्ताकार ईरान के साथ फिर से बातचीत के लिए सोमवार को पाकिस्तान जाएंगे।

इस अनिश्चितता के कारण तेल की कीमतों में फिर तेजी आ गई। इस घटनाक्रम से दशकों के सबसे गंभीर वैश्विक ऊर्जा संकटों में शामिल मौजूदा संकट के और गहराने का खतरा पैदा हो गया है। ट्रंप ने सोशल मीडिया पर कहा कि ओमान की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के एक निर्देशित प्रक्षेपास्त्र विध्वंसक पोत ने ईरानी ध्वज वाले तुस्का नामक पोत को रुकने की चेतावनी दी और फिर इंजन कक्ष में छेद कर उसे वहीं रोक दिया। उन्होंने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के दायरे में आने वाले इस पोत को अमेरिकी मरीन ने अपने कब्जे में ले लिया है और वे देख रहे हैं कि उसमें क्या है। यह स्पष्ट नहीं है कि इस घटना में कोई घायल हुआ है या नहीं। यूएस सेंट्रल कमांड ने इससे जुड़े सवालों का जवाब नहीं दिया लेकिन उसने कहा कि विध्वंसक पोत ने छह घंटे की अवधि में कई बार चेतावनी दी थी। ईरानी अधिकारियों ने ट्रंप की वार्ता संबंधी घोषणा पर सीधे प्रतिक्रिया देते हुए कोई टिप्पणी नहीं की लेकिन ईरान की सरकारी मीडिया ने गोपनीय सूत्रों के हवाले से संक्षिप्त खबरें प्रसारित कीं जिनमें संकेत दिया गया कि वार्ता नहीं होगी। पोत को जब्त किए जाने की घोषणा के कुछ ही मिनट बाद ईरानी सरकारी मीडिया ने बताया कि ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने रविवार को पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से फोन पर बात की। इन खबरों में पेजेश्कियान के हवाले से कहा गया कि दबाव बनाने और अनुचित व्यवहार करने समेत अमेरिका की कार्रवाई इस संदेह को बढ़ाती है कि अमेरिका पहले की ही तरह आचरण करेगा और कूटनीतिक विश्वासघात करेगा।

ईरानी तेल पर लगाई गई रोक की कीमत चुकानी पड़ेगी : तेहरान

दुबई, भाषा। ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने कहा है कि वैश्विक स्तर पर ईंधन की कीमतें तभी स्थिर हो सकती हैं जब ईरानी के तेल निर्यात पर आर्थिक और सैन्य दबाव समाप्त किए जाएं। उपराष्ट्रपति ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा, ईरान के तेल निर्यात पर रोक लगाकर दूसरों के लिए मुफ्त सुरक्षा की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, विकल्प स्पष्ट है या तो सभी के लिए एक मुक्त तेल बाजार या सभी के लिए भारी लागत का जोखिम। ईरान और अमेरिका के बीच जारी गतिरोध के कारण टैंकरों को होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने से रोके जाने की वजह से रविवार को शुरुआती कारोबार में तेल की कीमतों में बढ़ोतरी हुई। शिकागो मर्केंटाइल एक्सचेंज में कारोबार फिर से शुरू होने के बाद अमेरिकी कच्चे तेल की कीमत 6:4 प्रतिशत बढ़कर 87:88 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड की कीमत 6:5 प्रतिशत बढ़कर 96:25 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल हो गई। ईरान का होर्मुज जलडमरूमध्य पर प्रभावी नियंत्रण है और उसने शुक्रवार को घोषणा की थी कि वह अपने तट से सटे इस मार्ग को वाणिज्यिक यातायात के लिए पूरी तरह से खोल देगा।

अमेरिकी वार्ताकार ईरान के साथ शांति वार्ता के लिए इस्लामाबाद में रहेंगे

शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति से कहा क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं

» इस्लामाबाद, भाषा।

पाकिस्तान के प्रधानमंत्री मोहम्मद शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान के साथ बातचीत की और क्षेत्रीय शांति तथा सुरक्षा को आगे बढ़ाने संबंधी देश के सच्चे और निष्ठापूर्ण प्रयासों की प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने एक बयान में कहा कि रविवार को लगभग 45 मिनट की बातचीत के दौरान, दोनों नेताओं ने मौजूदा क्षेत्रीय स्थिति पर विस्तृत चर्चा की। प्रधानमंत्री शरीफ ने राष्ट्रपति पेजेश्कियान और ईरानी नेतृत्व को 11 और 12 अप्रैल को इस्लामाबाद में वार्ता के लिए स्पीकर मोहम्मद बगेर ग़ालिबाफ़ और विदेश मंत्री अब्बास अराघची के नेतृत्व में अपने उच्च-स्तरीय प्रतिनिधिमंडल को भेजने के लिए आभार व्यक्त किया। अमेरिका और ईरान ने संघर्ष समाप्त करने के उद्देश्य से 11 और 12 अप्रैल को इस्लामाबाद में प्रत्यक्ष वार्ता की थी लेकिन यह बातचीत बेनतीजा रही थी।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा वार्ता के नए दौर की घोषणा किए किए जाने के बाद युद्धविराम के बढ़ने की उम्मीदें बढ़ गई हैं। रविवार को ट्रंप ने यह भी घोषणा की कि अमेरिकी वार्ताकार ईरान के साथ शांति वार्ता के लिए सोमवार को इस्लामाबाद में रहेंगे। हालांकि, दूसरे दौर की वार्ता में तेहरान की भागीदारी को लेकर ईरान की ओर से कोई पुष्टि नहीं हुई है। शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति को सऊदी अरब, कतर और तुर्किए सहित विश्व के कई नेताओं के साथ हुई अपनी हालिया मुलाकातों के बारे में भी जानकारी दी। शरीफ ने आश्वासन दिया कि पाकिस्तान क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को बढ़ाने के अपने ईमानदार और निष्ठापूर्ण प्रयासों के प्रति पूरी तरह से प्रतिबद्ध रहेगा। पेजेश्कियान ने शांति प्रयासों की सफलता के प्रति पाकिस्तान की दृढ़ प्रतिबद्धता के लिए प्रधानमंत्री और उस देश के फील्ड मार्शल को धन्यवाद दिया, साथ ही यह आश्वासन दिया कि आने वाले दिनों में ईरान और पाकिस्तान के बीच संबंध और मजबूत होंगे।

वार्ता में शामिल होने की अभी कोई योजना नहीं : ईरानी विदेश मंत्रालय

तेहरान, भाषा। ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बघाई ने सोमवार को कहा कि तेहरान की फिलहाल अमेरिका के साथ किसी भी वार्ता में शामिल होने की कोई योजना नहीं है। उन्होंने वार्ता में ईरान की भागीदारी की संभावना से इनकार नहीं किया। इस्लामाबाद के अधिकारी वार्ता के एक और दौर की तैयारी कर रहे थे जो संभवतः इस सप्ताह होती। बघाई ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान कहा, अभी तक::: जब मैं यहां हूं::: हमारे पास बातचीत के अगले दौर के लिए कोई योजना नहीं है और इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान वार्ता के दूसरे दौर को लेकर अनिश्चितता का माहौल

इस्लामाबाद, भाषा। अमेरिका और ईरान के एक दूसरे को लेकर कड़े तेवर अपनाए जाने के बीच बहुचर्चित शांति वार्ता के दूसरे दौर पर सोमवार को अनिश्चितता छाई रही। आगामी दिनों में दोनों पक्षों के इस्लामाबाद में मिलने की उम्मीद है, जिसके लिए पाकिस्तानी अधिकारियों ने व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह का युद्धविराम बुधवार को समाप्त होने वाला है। सोमवार को ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बकाई ने कहा कि उनके देश ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि वह अमेरिका के साथ वार्ता के अगले दौर में भाग लेगा या नहीं। इससे पहले, ईरानी संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बाकिर गालीबाफ ने कहा था कि तेहरान अमेरिका के साथ बातचीत जारी रखे हुए है, लेकिन नए सिरे से तनाव बढ़ने की आशंकाओं के बीच आवश्यक उपाय करने के लिए तैयार है। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना ने होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी से बचने की कोशिश कर रहे एक ईरानी जहाज को निशाना बनाया। सोमवार को तेहरान में साप्ताहिक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए बकाई ने कहा, फिलहाल, जब तक मैं आपकी सेवा में हूं, हमारे पास बातचीत के अगले दौर के लिए कोई योजना नहीं है, और इस संबंध में कोई निर्णय नहीं लिया गया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि अमेरिका कूटनीति को आगे बढ़ाने के बारे में गंभीर नहीं था और उन्होंने दो सप्ताह के युद्धविराम के उल्लंघनों का हवाला दिया।

प्रशिक्षण और सैन्य अभियानों पर बातचीत के लिए ब्रिटेन की यात्रा पर सीडीएस जनरल अनिल चौहान

लंदन, भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान भारत और ब्रिटेन के बीच सैन्य प्रशिक्षण, संचालन और रक्षा उद्योग साझेदारी से जुड़े मुद्दों पर चर्चा के लिए लंदन के दौरे पर हैं। जनरल चौहान तीन-दिवसीय यात्रा पर रविवार को यहां पहुंचे थे। सीडीएस के ब्रिटिश समकक्ष एयर चीफ मार्शल रिचर्ड नाइटन उनकी मेजबानी कर रहे हैं। वह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत बनाने के लिए ब्रिटेन के वरिष्ठ सैन्य व सरकारी नेतृत्व से भी बातचीत करेंगे। भारत में ब्रिटेन की उच्चायुक्त लिंडी कैमरन ने कहा कि यह यात्रा भारत-ब्रिटेन रक्षा साझेदारी में बढ़ते विश्वास और महत्वाकांक्षा को दर्शाती है। इस दौरान ब्रिटिश रक्षा उद्योग के प्रतिनिधि दोनों देशों के बीच रक्षा सामग्रियों के संयुक्त उत्पादन को गति देने के मकसद से जनरल चौहान से मिलेंगे। जनरल चौहान रॉयल कॉलेज ऑफ डिफेंस स्टडीज का दौरा करके विभिन्न देशों के अधिकारियों से भी बातचीत करेंगे। ब्रिटिश उच्चायोग के रक्षा सलाहकार क्रिस सॉण्डर्स ने कहा कि यह यात्रा रक्षा के सभी क्षेत्रों में हुई प्रगति को दर्शाती है और भविष्य में सहयोग की व्यापक संभावनाओं को उजागर करती है। यह किसी भारतीय सीडीएस की ब्रिटेन की पहली आधिकारिक यात्रा है और इससे पहले दोनों देशों के बीच कई उच्चस्तरीय सैन्य संवाद हो चुके हैं। भारत और ब्रिटेन ने विजन 2035 के तहत 10-वर्षीय रक्षा औद्योगिक रोडमैप भी शुरू किया है, जिसके जरिए रक्षा संबंधों को मजबूत करने और विकास को बढ़ावा देने का लक्ष्य है।

न्यूज ब्रीफ

उत्तर कोरिया में किम और उनकी बेटी की मौजूदगी में क्लस्टर बमों का परीक्षण

» सियोल, भाषा।

उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसने इस महीने दूसरी बार क्लस्टर बमों से लैस बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया है। इसे संभवतः अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई रक्षा प्रणालियों से मुकाबला करने की उत्तर कोरिया की क्षमताओं को बढ़ाने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण कोरिया, जापान और अमेरिका ने उत्तर कोरिया के पूर्वी तट से दूर कई बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण का पता लगाया है।

केसीएनए की ओर से जारी तस्वीरों में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन और उनकी बेटी एक तटीय निगरानी क्षेत्र से पानी के ऊपर से गुजरते हुए एक प्रक्षेपास्त्र को देखते नजर आ रहे हैं। इस दौरान दोनों ने काले रंग की चमड़े की जैकेट पहनी हुई है। दक्षिण कोरिया की खुफिया सेवा ने हाल में कहा था कि किम की बेटी का नाम कथित तौर पर किम जू ऐ है और वह किम की उत्तराधिकारी बन सकती हैं। केसीएनए ने अपनी खबर में कहा कि किम ने क्लस्टर बम से लैस सतह से सतह पर मार करने वाली पांच उन्नत ह्वासोंग-11 का बैलिस्टिक मिसाइलों के प्रक्षेपण का निरीक्षण किया। केसीएनए के अनुसार, मिसाइलों ने एक द्वीप को निशाना बनाया और किम ने प्रक्षेपणों पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, मारक क्षमता को बढ़ाने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है।

कैरेबियाई सागर में मादक पदार्थों की तस्करी कर रही नौका पर हमले में तीन की मौत

» वॉशिंगटन, भाषा।

अमेरिकी सेना ने कैरेबियाई सागर में कथित रूप से मादक पदार्थ ले जा रही एक नौका पर रविवार को हमला किया जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। अमेरिका की सेना ने यह जानकारी दी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन की लातिन अमेरिकी जलक्षेत्र में मादक पदार्थों की कथित रूप से तस्करी करने वाले पोतों पर हमला करने की मुहिम सितंबर की शुरुआत से जारी है और इसमें अब तक कम से कम 181 लोग मारे जा चुके हैं। इसी तरह के हमले पूर्वी प्रशांत महासागर में भी हुए हैं।

ईरान युद्ध के बावजूद पिछले करीब एक सप्ताह में इस तरह के हमले फिर तेज हुए हैं। इससे संकेत मिलता है कि पश्चिमी गोलार्ध में मादक पदार्थ-आतंकवाद को रोकने के लिए अमेरिका के आक्रामक कदमों में कोई कमी नहीं आई है। अमेरिकी सेना ने हालांकि यह साबित करने के लिए कोई साक्ष्य नहीं दिया है कि जिन पोतों को निशाना बनाया गया, उनमें मादक पदार्थ थे। यूएस सदर्न कमांड ने रविवार को अपने पहले के बयानों को दोहराते हुए कहा कि उसने कथित मादक पदार्थ तस्करों को तस्करी के ज्ञात मार्गों पर निशाना बनाया। उसने एक्स पर एक वीडियो भी साझा किया जिसमें सागर में मौजूद नौका भीषण विस्फोट के बाद आग की लपटों में घिरती नजर आ रही है।

ईरान में युद्ध में अब तक 3,300 से अधिक लोगों की मौत

» दुबई, भाषा।

ईरान ने सोमवार को बताया कि इजराइल और अमेरिका के साथ युद्ध में उसके अब तक कम से कम 3,375 लोगों की मौत हो चुकी है। यह आंकड़ा ईरान के विधिक चिकित्सा संगठन के प्रमुख अब्बास मस्जेदी की ओर जारी किया गया। न्यायपालिका की समाचार एजेंसी मिजान समेत अन्य माध्यमों ने सोमवार को मस्जेदी के हवाले से बताया कि मारे गए लोगों में से केवल चार की पहचान नहीं हो पाई है।

उन्होंने यह ब्योरा नहीं दिया कि हताहतों में कितने आम नागरिक हैं और कितने सुरक्षा बल के जवान हैं, केवल इतना बताया कि मारे गए लोगों में 2,875 पुरुष और 496 महिलाएं शामिल हैं। मस्जेदी ने कहा कि मृतकों में 18 वर्ष या उससे कम आयु के 383 बच्चे भी हैं। उनके इन आंकड़ों से ये सवाल उठ रहे हैं कि इसमें सुरक्षा बलों के सदस्य शामिल हैं या नहीं, खासकर तब जब देश में सैन्य ठिकानों और हथियार भंडारों पर हमले तेज होने की खबरें सामने आई हैं।

अमेरिका: लुइसियाना में एक शख्स ने अपनी सात संतानों समेत आठ बच्चों की हत्या की

» श्रेवेपोर्ट (अमेरिका), भाषा।

अमेरिका के दक्षिणी प्रांत लुइसियाना में रविवार तड़के एक हथियारबंद व्यक्ति ने दो अलग-अलग घरों में घुसकर अपनी सात संतानों समेत आठ बच्चों की गोली मारकर हत्या कर दी और दो अन्य लोगों को घायल कर दिया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। यह घटना पिछले दो वर्षों में अमेरिका की सबसे भीषण गोलीबारी की घटनाओं में से एक मानी जा रही है। बाद में आरोपी को भी मार दिया गया। पुलिस के अनुसार, घटना श्रेवेपोर्ट शहर के दक्षिण स्थित एक इलाके की है, जहां आरोपी ने पहले एक घर में घुसकर एक महिला को गोली मारी।

इसके बाद वह दूसरे घर पहुंचा जहां इस

जघन्य वारदात को अंजाम दिया गया। श्रेवेपोर्ट पुलिस विभाग के प्रवक्ता क्रिस बॉर्डेलोन ने कहा कि दूसरे घर के भीतर सात बच्चों के शव मिले, जबकि एक बच्चा छत पर मृत पाया गया जो संभवतः बचने की कोशिश में वहां तक पहुंचा था। अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी में घायल दो महिलाओं की हालत गंभीर बनी हुई है। बॉर्डेलोन ने बताया कि मारे गए बच्चों की उम्र एक वर्ष से करीब 12 वर्ष के बीच थी, जबकि घायलों में शामिल एक महिला उन सात बच्चों की मां है जिन्हें उनके पिता ने मार दिया। उन्होंने बताया कि आरोपी की पहचान शमार एल्किन्स के रूप में हुई है जिसका पीछा करने के बाद पुलिस ने उसे मार गिराया। जांचकर्ताओं ने अभी तक इस घटना के पीछे की वजह स्पष्ट नहीं की है। बॉर्डेलोन ने कहा कि प्रारंभिक तौर पर यह मामला पारिवारिक विवाद से जुड़ा प्रतीत होता है, हालांकि जांच जारी है। उन्होंने कहा घटनास्थल का दृश्य बेहद भयावह है, ऐसा मंजर हमने पहले कभी नहीं देखा। बॉर्डेलोन ने बताया कि एल्किन्स पहले भी पुलिस के रिकॉर्ड में रहा है और उसे वर्ष 2019 में एक हथियार से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया था। हालांकि, उसके खिलाफ घरेलू हिंसा से जुड़ी किसी अन्य घटना की जानकारी नहीं थी। उन्होंने बताया कि घटनास्थल से भागते समय आरोपी ने बंदूक की बल पर एक कार लूट ली थी, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उसे ढेर कर दिया। लुइसियाना की प्रतिनिधि सभा की सदस्य टैमी फेल्प्स ने बताया कि कुछ बच्चों ने पीछे के दरवाजे से भागने की कोशिश की। उन्होंने प्रेस वार्ता में कहा, आज यहां पहुंचकर पुलिस और राहतकर्मियों ने जिस भयावह मंजर का सामना किया, उसकी कल्पना करना भी मुश्किल है।

जापान में 7:4 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, सुनामी की चेतावनी जारी

तोक्यो, भाषा। उत्तरी जापान के तटीय क्षेत्र के पास 7:4 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया और जापान मौसम विज्ञान एजेंसी ने स्थिति को देखते हुए सुनामी का अलर्ट जारी किया है। एजेंसी ने बताया कि स्थानीय समयानुसार शाम चार बजकर 53 मिनट पर आए इस भूकंप का केंद्र उत्तरी जापान के सनरिकु तट के पास समुद्र की सतह से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में था। जापान के सार्वजनिक प्रसारक एनएचके के मुताबिक, इस भूकंप के बाद क्षेत्र में लगभग तीन मीटर ऊंची सुनामी लहरें उठने की आशंका जताई गई है। इसने चेतावनी जारी करते हुए क्षेत्र के लोगों से तत्काल समुद्र तटों और नदियों के किनारों से दूर रहने तथा सुरक्षित स्थानों में शरण लेने की अपील की है।

संरा महासचिव पद के लिए चार उम्मीदवारों के बीच मुकाबला, 2016 की तुलना में संख्या में आई कमी

» संयुक्त राष्ट्र, भाषा।

संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने के लिए चार उम्मीदवारों के बीच मुकाबला है और वे अपनी दावेदारी पेश करने के लिए इस सप्ताह संगठन के 193 सदस्यों के राजदूतों के प्रश्नों के उत्तर देंगे। यह संख्या 10 वर्ष पहले जब एंतोनियो गुतारेस का संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के रूप में चयन हुआ था, तब की तुलना में काफी कम है। चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बेचेलेट मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र के सदस्य देशों के राजदूतों के समक्ष तीन घंटे के प्रश्नोत्तर सत्र में सबसे पहले शामिल होंगी। इस पद के उम्मीदवारों में बेचेलेट समेत दो महिलाएं और लातिन अमेरिका के तीन उम्मीदवार शामिल हैं। बेचेलेट के बाद अर्जेंटीना के संयुक्त राष्ट्र परमाणु प्रमुख राफेल मारियानो ग्रोसी का नंबर आएगा।

संयुक्त राष्ट्र व्यापार प्रमुख रेबेका ग्रिंसपैन बुधवार को महासभा कक्ष में प्रश्नों का उत्तर देंगी और अंत में सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल पेश होंगे। इस पद के लिए 2016 में 13 उम्मीदवारों ने दावेदारी पेश की थी और मुकाबला काफी कड़ा था। ऐसे में सवाल है कि उम्मीदवारों की संख्या कम होने का क्या कारण है। इसका एक कारण यह है कि 2026 की दुनिया गहरे ध्रुवीकरण और संघर्षों से घिरी हुई है और मौजूदा परिस्थितियां 2016 के अपेक्षाकृत अधिक शांत वैश्विक माहौल से काफी अलग हैं। कुछ लोगों का मानना है कि इसका कारण संयुक्त राष्ट्र की घटती साख भी है। यह वैश्विक संस्था एक दशक पहले जलवायु परिवर्तन को नियंत्रित करने के लिए पेरिस जलवायु समझौते को साकार करने में अपनी भूमिका और वैश्विक आर्थिक वृद्धि को बढ़ावा देने, पर्यावरण की रक्षा करने तथा अमीर एवं गरीब देशों के बीच बढ़ती खाई को कम करने के लिए 17 लक्ष्यों पर विश्व के नेताओं की सहमति बनने को लेकर उत्साहित थी लेकिन आज वैश्विक ताकतों के बीच मतभेद इतने गहरे हैं कि संयुक्त राष्ट्र वैश्विक शांति और सुरक्षा सुनिश्चित करने की अपनी मूल भूमिका निभाने में असमर्थ रहा है। संयुक्त राष्ट्र मामलों के जानकार और इंटरनेशनल क्राइसिस ग्रुप के कार्यक्रम निदेशक रिचर्ड गोवान ने कहा कि मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति का असर गुतारेस के उत्तराधिकारी की दौड़ पर पड़ा है। गुतारेस का पांच वर्षीय दूसरा कार्यकाल 31 दिसंबर को समाप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि 10 वर्ष पहले कई उम्मीदवार यह जानते हुए भी मैदान में उतरे थे कि उनके जीतने की संभावना बहुत कम है। उन्होंने कहा, इस बार संभावित उम्मीदवार और उन्हें नामित करने वाली सरकारें कहीं अधिक सतर्क हैं। अब यह भावना है कि यदि कोई उम्मीदवार कोई गलती कर बैठा और उसने अमेरिका या चीन को नाराज कर दिया तो इससे वास्तविक कूटनीतिक नुकसान हो सकता है।

एक्स पर बाल यौन शोषण की तस्वीरें साझा किए जाने के मामले में फ्रांस ने किया मस्क को तलब

पेरिस, भाषा। फ्रांस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर बाल यौन उत्पीड़न की तस्वीरें और डीपफेक कंटेंट साझा किए जाने से जुड़े आरोपों की जांच के सिलसिले में सोमवार को अमेरिकी उद्योगपति एलन मस्क को समन भेजा है। पेरिस के अभियोजन कार्यालय ने कहा कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क और एक्स की पूर्व सीईओ लिंडा याकारिनो को स्वैच्छिक पूछताछ के लिए तलब किया गया है, जबकि एक्स के अन्य कर्मचारियों को इस सप्ताह गवाह के रूप में पेश होना है। मस्क को फरवरी में एक्स के फ्रांस स्थित दफ्तरों में हुई छापेमारी के बाद तलब किया गया था। यह छापेमारी जनवरी 2025 में पेरिस अभियोजक कार्यालय की साइबर अपराध इकाई द्वारा शुरू की गई जांच के तहत ली गई थी। मस्क और याकारिनो उस समय एक्स का प्रबंधन संभाल रहे थे। याकारिनो मई 2023 से जुलाई 2025 तक कंपनी की सीईओ रहीं। अभियोजकों ने कहा, कंपनी के अधिकारियों के साथ ये स्वैच्छिक पूछताछ उन्हें तथ्यों पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने और, यदि आवश्यक हो, तो अनुपालन के लिए प्रस्तावित उपायों को प्रस्तुत करने का अवसर देने के लिए हैं। उन्होंने कहा, इस चरण में जांच की प्रक्रिया एक रचनात्मक दृष्टिकोण के तहत जारी है, जिसका अंतिम उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एक्स फ्रांस में काम करते समय फ्रांसीसी कानूनों का पालन करे।

प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या से बातचीत के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन का श्रीलंका दौरा संपन्न, कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए

» कोलंबो, भाषा।

उपराष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन ने श्रीलंका की अपनी दो दिवसीय यात्रा का सोमवार को समापन किया। इस दौरान उन्होंने द्वीपीय राष्ट्र के शीर्ष नेतृत्व के साथ वार्ता की और दोनों देशों ने द्विपक्षीय सहयोग को प्रगाढ़ करने के लिए कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए। राधाकृष्णन श्रीलंका का दौरा करने वाले पहले उपराष्ट्रपति हैं। वह रविवार को कोलंबो पहुंचे और राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के साथ बातचीत की। अधिकारियों ने बताया कि राधाकृष्णन ने भारत की पड़ोस पहले नीति और विकासात्मक द्विपक्षीय सहयोग पर जोर दिया।

उपराष्ट्रपति कार्यालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दोनों नेताओं ने साझा इतिहास, मजबूत सभ्यतागत और लोगों के आपसी संबंधों पर आधारित बहुआयामी भारत-श्रीलंका संबंधों को और प्रगाढ़ करने पर सार्थक चर्चा की। उन्होंने भारतीय आवास परियोजना और श्रीलंका में चक्रवात दित्वा से प्रभावित क्षेत्रों के लिए 45 करोड़ अमेरिकी डॉलर के पैकेज के तहत कार्यान्वित की जा रही परियोजनाओं सहित विभिन्न पहल पर व्यापक चर्चा की। इनमें खास तौर पर भारतवंशी तमिल समुदाय के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में किए जा रहे प्रयासों पर ध्यान दिया गया। दोनों पक्षों ने मछुआरों के मुद्दे पर भी मानवीय दृष्टिकोण से चर्चा की, जिसमें दोनों देशों के मछुआरा समुदायों की आजीविका को ध्यान में रखा गया। वार्ता के बाद, दोनों पक्षों ने छह समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिनमें मुल्लैतिवु में एक चिकित्सा वार्ड का निर्माण, समय से पहले जन्मे शिशुओं के लिए देहिअट्टाकंदिया में एक इकाई की स्थापना, मुथुर में नेत्र रोग, कान, नाक और

गले के रोगों और मानसिक स्वास्थ्य इकाइयों का निर्माण शामिल हैं। भारत ने प्रवासी भारतीयों की छठी पीढ़ी तक ओसीआई (प्रवासी भारतीय नागरिक) पात्रता का विस्तार करने और भारतीय मूल के तमिल समुदाय के लाभ के लिए प्रक्रिया को सरल बनाने की भी घोषणा की। दोनों पक्षों ने दित्वा चक्रवात के बाद पुनर्वास पैकेज के तहत बहाल की गई उत्तरी रेलवे लाइन पर ट्रेन सेवाओं को फिर से शुरू करने की भी घोषणा की। उन्होंने दित्वा आपदा के बाद पुनर्वास कार्य के तहत तीन पुलों - एक मध्य प्रांत (कैंडी) में और दो ऊवा प्रांत में - निर्माण की भी घोषणा की। यह भी घोषणा की गई कि भारत के नेतृत्व वाले इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस में श्रीलंका शामिल होगा। राधाकृष्णन ने श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिणी अमरसूर्या से बातचीत के दौरान शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग पर चर्चा की। अमरसूर्या शिक्षा मंत्री भी हैं। इस दौरान सीलोन एस्टेट वर्कर्स एजुकेशन ट्रस्ट छात्रवृत्ति योजना को बढ़ाने की घोषणा भी की गई। इस योजना के तहत दी जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या 350 से बढ़ाकर 700 की जा रही है और मासिक वजीफा ए-लेवल के छात्रों के लिए 2,500 श्रीलंकाई रुपए तथा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों के लिए 7,500 श्रीलंकाई रुपए किया जा रहा है। उपराष्ट्रपति ने भारतीय आवास परियोजना के तीसरे चरण के तहत सभी आवासीय इकाइयों का निर्माण पूरा होने और उन्हें सौंपे जाने की भी घोषणा की। तीसरे चरण के तहत श्रीलंका के मध्य प्रांत, ऊवा और दक्षिणी प्रांत के बागान क्षेत्रों के श्रमिकों के लिए 4,000 मकानों के निर्माण का प्रावधान है। तीसरे चरण के तहत 3,855 इकाइयां पहले ही सौंपी जा चुकी थीं और इस यात्रा के दौरान शेष 145 इकाइयां पूरी कर सौंप दी गईं। यह भारतीय आवास परियोजना की प्रगति में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। यह श्रीलंका में अनुदान सहायता की प्रमुख परियोजना है और भारत के बाहर उसकी ऐसी सबसे बड़ी अनुदान सहायता परियोजना मानी जाती है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्वाधिकारी आरपी न्यूज नेटवर्क प्राईवेट लिमिटेड के लिये श्रीराम ऑफसेट, 14, शॉपिंग सेंटर, जोरावरसिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय: 4312, मोहल्ला नायकान, नाहरवाड़ा, जगन्नाथ शाह का रास्ता, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। पीआरबी एक्ट के अनुसार खबरों के चयन के लिए उत्तरदायित्व संपादक मुन्ना खान मोबाइल नंबर 9772552446, 8058969180 ई-मेल: rpnewsnetworkpvt.ltd@gmail.com